११. जग-चिन्तामणि चैत्य-वन्दन

इच्छा-कारेण संदिसह भगवन्! चैत्य-वन्दन करूं? इच्छं.
जग-चिन्तामणि! जग-नाह! जग-गुरू! जग-रक्खण!
जग-बंधव! जग-सत्थवाह! जग-भाव-विअक्खण!
अट्ठावय-संठविअ-रूव! कम्मट्ठ-विणासण!
चउवीसं पि जिणवर! जयंतु अ-प्पडिहय-सासण..... .१.
कम्म-भूमिहिं कम्म-भूमिहिं पढम-संघयणि,
उक्कोसय सत्तरि-सय जिण-वराण विहरंत लब्भइ;
नव-कोडिहिं केवलीण, कोडी-सहस्स नव साहु गम्मइ.
संपइ जिणवर वीस मुणि, बिहुं कोडिहिं वरनाण;
समणह कोडि-सहस्स-दुअ, थुणिज्जइ निच्च विहाणि..२.
जयउ सामिय जयउ सामिय रिसह सत्तुंजि,
उज्जिंति पहु-नेमि-जिण, जयउ वीर सच्चउरी-मंडण;
भरु-अच्छहिं मुणि-सुव्वय, महुरि-पास दुह-दुरिअ-खंडण,

11. jaga-cintāmaṇi caitya-vandana

icchā-kāreṇa sandisaha bhagavan! caitya-vandana karū? icham.
jaga-cintāmaṇi! jaga-nāha! jaga-gurū! jaga-rakkhaṇa!
jaga-bandhava! jaga-satthavāha! jaga-bhāva-viakkhaṇa!
aṭṭhāvaya-saṇṭhavia-rūva! kammaṭṭha-viṇāsaṇa!
cauvīsam pi jiṇavara! jayantu a-ppaḍihaya-sāsaṇa. ..... .1.
kamma-bhūmihim kamma-bhūmihim paḍhama-saṅghayaṇi,
ukkosaya sattari-saya jiṇa-varāṇa viharanta labbhai;
nava-koḍihim kevalīṇa, koḍī-sahassa nava sāhu gammai.
sampai jiṇavara vīsa muṇi, bihum koḍihim varanāṇa;
samaṇaha koḍi-sahassa-dua, thuṇijjai nicca vihāṇi. ..... .2.
jayau sāmiya jayau sāmiya risaha sattuñji,
ujjinti pahu-nemi-jiṇa, jayau vīra saccaurī-maṇḍaṇa;

अवर-विदेहिं तित्थ-यरा, चिहुं दिसि विदिसि जिं के वि;
तीआणागय संपइय, वंदउं जिण सव्वे वि. ..... .३.
सत्ता-णवइ सहस्सा, लक्खा छप्पन्न अट्ठ-कोडीओ.
बत्तीस-सय बासियाइं, तिअ-लोए चेइए वंदे. ..... .४.
पनरस-कोडि-सयाइं, कोडि बायाल लक्ख अडवन्ना.
छत्तीस-सहस-असीइं, सासय-बिंबाइं पणमामि. ..... .५.

शब्दार्थ :-

१.**इच्छा-कारेण संदिसह भगवन्! उ** हे **भगवन्!** स्वेच्छा से आज्ञा प्रदान करो
इच्छा-कारेण उ स्वेच्छा से, **संदिसह उ** आज्ञा प्रदान करो, **भगवन्! उ** हे **भगवन्!**
चैत्य-वंदन करूं उ इमैंट **चैत्य-वंदन** करूं
चैत्य-वंदन उ चैत्य-वंदन, करूं उ करूं
इच्छं उ इमैंट आप की आज्ञा स्वीकार करता हुं
जग-चिन्तामणि! उ जगत के जीवों के लिये चिंतामणि रत्न समान!

bharu-acchahim muṇi-suvvaya, mahuri-pāsa duha-duria-khaṇḍaṇa,
avara-videhim tittha-yarā, cihum disi vidisi jim ke vi;
tīāṇāgaya sampaiya, vandaum jiṇa savve vi. ..... .3.
sattā-ṇavai sahassā, lakkhā chappanna aṭṭha-koḍīo.
battīsa-saya bāsiyāim, tia-loe ceie vande. ..... .4.
panarasa-koḍi-sayāim, koḍi bāyāla lakkha aḍavannā.
chattīsa-sahasa-asīim, sāsaya-bimbāim paṇamāmi. ..... .5.

Literal meaning :—

1.**icchā-kāreṇa sandisaha bhagavan!** = oh **bhagavan**! give the permission voluntarily
icchā-kāreṇa = voluntarily, **sandisaha** = give the permission, **bhagavan!** = oh **bhagavan!**
caitya-vandana karū? = shall [i] perform the **caitya-vandana?**
caitya-vandana = **caitya-vandana, karū** = shall i perform

वन्दन

जग उ जगत के, **चिन्तामणि उ** चिन्तामणि रत्न समान

जग-नाह! उ जगत के स्वामी!

नाह उ स्वामी

जग-गुरू! उ जगत के गुरु!

गुरू उ गुरु

जग-रक्खण! उ जगत के जीवों का रक्षण करने वाले!

रक्खण उ रक्षण करने वाले

जग-बंधव! उ जगत के बन्धु!

बंधव उ बन्धु

जग-सत्थवाह! उ जगत के सार्थवाह!

सत्थवाह उ सार्थवाह

जग-भाव-विअक्खण! उ जगत के सर्व भावों इ्को जानने और प्रकाशित करनेट में निपुण!

भाव उ सर्व भावों को, **विअक्खण उ** निपुण

अट्ठा-वय-संठविअ-रूव! उ अष्टापद पर्वत पर स्थापित की गई हैं प्रतिमाएं जिनकी ऐसे!

अट्ठावय उ अष्टापद पर्वत पर, **संठविअ उ** स्थापित की गई हैं, **रूव उ** प्रतिमाएं

iccham = [i] am accepting your order

jaga-cintāmaṇi! = alike the fabulous mythological gem for living beings of the universe!

jaga = of the universe, **cintāmaṇi** = alike the fabulous mythological gem

jaga-nāha! = the lord of the universe!

nāha = the lord

jaga-gurū! = the preceptor of the universe!

gurū = the preceptor

jaga-rakkhaṇa! = the protector of living beings of the universe!

rakkhaṇa = the protector

jaga-bandhava! = the brother of the universe!

bandhava = the brother

jaga-satthavāha! = the supreme guide of the universe!

satthavāha = the supreme guide

jaga-bhāva-viakkhaṇa! = proficient in [knowing and manifesting] all the truths of the universe!

bhāva = all the truths, **viakkhaṇa** = proficient

aṭṭhā-vaya-saṇṭhavia-rūva! = such whose idols are consecrated on **aṣṭāpada**

कम्मट्ठ-विणासण! उ आठों **कर्मों** का नाश करने वाले!

कम्म उ कर्मों का, **अट्ठ उ** आठों, **विणासण उ** नाश करने वाले

चउवीसं पि जिणवर! उ हे चौबीसों **जिनेश्वर!**

चउवीसं पि उ चौबीसों, **जिणवर उ** हे **जिनेश्वर**

जयंतु उ आपकी जय हो

अप्पडिहय-सासण उ अखंडित शासन वाले!

अप्पडिहय उ अखंडित, **सासण उ** शासन वाले

२.कम्म-भूमिहिं कम्म-भूमिहिं उ कर्म भूमियों में झ्जहाँ आजीविका के लिये प्रजा को कर्म/कार्य करना पड़ता हैं.

कम्म उ कर्म, **भूमिहिं उ** भूमियों में

पढम-संघयणि उ प्रथम **संघयण** झ्अस्थियों की उत्कृष्ट रचनाट वाले

पढम उ प्रथम, **संघयणि उ संघयण** वाले

उक्कोसय सत्तरि-सय जिण-वराण उ उत्कृष्ट से एक सौ सित्तर **जिनेश्वर**

उक्कोसय उ उत्कृष्ट से, **सत्तरि उ** सित्तर, **सय उ** एक सौ, **जिणवराण उ जिनेश्वर**

विहरंत लब्भइ उ विचरण करते हुए पाये जाते हैं

विहरंत उ विचरण करते हुए, **लब्भइ उ** पाये जाते हैं

mountain

aṭṭhāvaya = on **aṣṭāpada** mountain, **saṇṭhavia** = are consecrated, **rūva** = idols

kammaṭṭha-viṇāsaṇa! = the annihilator of all the eight **karma**s

kamma = of **karma**s, **aṭṭha** = all the eight, **viṇāsaṇa** = the annihilator

cauvīsam pi jiṇavara! = oh all the twenty four **jineśvara**s!

cauvīsam = twenty four, **pi** = all the, **jiṇavara** = **jineśvara**s

jayantu = be your victory

appaḍihaya-sāsaṇa = the unimpaired rulers!

appaḍihaya = the unimpaired, **sāsaṇa** = rulers

2.kamma-bhūmihim kamma-bhūmihim = in the lands of activities [where people have to work for their livelihood]

kamma = activities, **bhūmihim** = in the lands of

paḍhama-saṅghayaṇi = having first **saṅghayaṇa** [a superior type of bone setting]

paḍhama = first, **saṅghayaṇi** = having **saṅghayaṇa**

ukkosaya sattari-saya jiṇa-varāṇa = one hundred and seventy **jineśvara**s at the most

ukkosaya = at the most, **sattari** = seventy, **saya** = one hundred,

नव कोडिहिं केवलीण उ नव क्रोड़ **केवली**

नव उ नव, **कोडिहिं उ** क्रोड़, **केवलीण उ केवली**

कोडी-सहस्स नव साहु गम्मइ उ नव हजार क्रोड़ इन्नब्बे अरबट **साधु** होते हैं

कोडी उ क्रोड़, **सहस्स उ** हजार, **साहु उ साधु, गम्मइ उ** होते हैं

संपइ जिणवर वीस मुणि उ वर्तमान काल के बीस **जिनेश्वर मुनि**

संपइ उ वर्तमान काल के, **वीस उ** बीस, **मुणि उ मुनि**

बिहुं कोडिहिं वरनाण उ दो क्रोड़ **केवल-ज्ञानी** / केवली

बिहुं उ दो, **वरनाण उ केवल-ज्ञानी**

समणह कोडि-सहस्स-दुअ उ दो हजार क्रोड़ इब्बीस अरबट **साधु**

समणह उ साधु, दुअ उ दो

थुणिज्जइ उ स्तवन किया जाता है

निच्च विहाणि उ नित्य प्रातः काल में

निच्च उ नित्य, **विहाणि उ** प्रातः काल में

३.जयउ सामिय! उ हे **स्वामी!** आपकी जय हो

जयउ उ आपकी जय हो, **सामिय उ** हे **स्वामी**

रिसह सत्तुंजि उ शत्रुंजय तीर्थ में विराजित हे **श्री ऋषभदेव!**

jiṇavarāṇa = jineśvaras

viharanta labbhai = are found moving about

viharanta = moving about, **labbhai** = are found

nava koḍihim kevalīṇa = nine crore **kevalīs**

nava = nine, **koḍihim** = crore, **kevalīṇa = kevalīs**

koḍī-sahassa nava sāhu gammai = nine thousand crore [ninety arab] **sādhus** are present

koḍī = crore, **sahassa** = thousand, **sāhu = sādhus**, **gammai** = are present

sampai jiṇavara vīsa muṇi = twenty **jineśvara munis** of present era

sampai = of present era, **vīsa** = twenty, **muṇi = munis**

bihum koḍihim varanāṇa = two crore **kevala-jñānī** / omniscience [**munis** having complete perfect knowledge]

bihum = two, **varanāṇa = kevala-jñānī**

samaṇaha koḍi-sahassa-dua = two thousand crore [twenty arab] **sādhus**

samaṇaha = sādhus, **dua** = two

thuṇijjai = eulogy is performed

nicca vihāṇi = every morning

रिसह उ हे **श्री ऋषभदेव**, **सत्तुंजि उ शत्रुंजय** तीर्थ में विराजित

उज्जिंति पहु-नेमि-जिण उ गिरनार पर्वत पर विराजित हे **श्री नेमिनाथ प्रभु!**

उज्जिंति उ गिरनार पर्वत पर विराजित, **पहु उ प्रभु, नेमि-जिण उ** हे **श्री नेमिनाथ जिनेश्वर**

वीर! सच्चउरी-मंडण! उ सत्यपुर झ्सांचोरट के शृंगार रूप हे **श्री महावीर स्वामी!**

वीर उ हे **श्री महावीर स्वामी, सच्चउरी उ सत्यपुर** के, **मंडण उ** शृंगार रूप

भरु-अच्छहिं मुणि-सुव्वय! उ भरूच में विराजित हे **श्री मुनिसुव्रत स्वामी!**

भरुअच्छहिं उ भरूच में विराजित, **मुणिसुव्वय उ** हे **श्री मुनिसुव्रत स्वामी**

महुरि-पास दुह-दुरिअ-खंडण उ दुःख और दुरित झ्रापट का नाश करने वाले, **मथुरा** में विराजित हे **श्री पार्श्वनाथ!**

महुरि उ मथुरा में विराजित, **पास उ** हे **श्री पार्श्वनाथ, दुह उ** दुःख, **दुरिअ उ** दुरित, **खंडण उ** नाश करने वाले

nicca = every, **vihāṇi** = morning

3.jayau sāmiya! = oh **svāmī**! [lord], be your victory

jayau = be your victory, **sāmiya** = oh **svāmī**

risaha sattuñji = oh **śrī ṛṣabhadeva** gracing the pilgrimage centre of **śatruñjaya**!

risaha = oh **śrī ṛṣabhadeva, sattuñji** = gracing the pilgrimage centre of **śatruñjaya**!

ujjinti pahu-nemi-jiṇa = oh **śrī nemināṭha prabhu** gracing **giranāra** mountain!

ujjinti = gracing **giranāra** mountain, **pahu** = **prabhu, nemi-jiṇa** = oh **śrī nemināṭha jineśvara**

vīra! saccaurī-maṇḍaṇa! = oh **śrī mahāvīra svāmī**, an ornament of **satyapura [sācora]**

vīra = oh **śrī mahāvīra svāmī, saccaurī** = of **satyapura, maṇḍaṇa** = an ornament

bharu-acchahim muṇi-suvvaya! = oh **śrī munisuvrata svāmī** gracing **bharūca**!

bharu-acchahim = gracing **bharūca, muṇisuvvaya** = oh **śrī munisuvrata svāmī**

अवर-विदेहिं तित्थयरा उ महाविदेह क्षेत्र के अन्य **तीर्थंकर**

अवर उ अन्य, **विदेहिं उ महाविदेह** क्षेत्र के, **तित्थयरा उ तीर्थंकर**

चिहुं दिसि विदिसि उ चारों दिशाओं और विदिशाओं में

चिहुं उ चारों, **दिसि उ** दिशाओं, **विदिसि उ** विदिशाओं में

जिं के वि उ जो कोई भी

जिं उ जो, **के उ** कोई, **वि उ** भी

तीआणागय संपइ य उ भूत काल में हुए हों, भविष्य काल में होने वाले हों और वर्तमान काल में हुए हैं

ती उ भूत काल में हुए हो, **आणागय उ** भविष्य काल में होने वाले हो, **संपइ य उ** वर्तमान काल में हुए हैं

वंदउं जिण सव्वे वि उ सर्व **जिनेश्वरों** को मैं वंदन करता हूँ

वंदउं उ वंदन करता हूँ, **जिण उ जिनेश्वरों** को, **सव्वे वि उ** सर्व

४.सत्ताणवइ सहस्सा उ सत्तानवे ९७ हजार

सत्ताणवइ उ सत्तानवे, **सहस्सा उ** हजार

लक्खा छप्पन्न उ छप्पन ५६ लाख

लक्खा उ लाख, **छप्पन्न उ** छप्पन

अट्ठ-कोडीओ उ आठ ८ क्रोड़

mahuri-pāsa duha-duria-khaṇḍaṇa = oh **śrī pārśvanātha**!, the annihilator of agonies and sins glorifying **mathurā**

mahuri = gracing **mathurā, pāsa** = oh **śrī pārśvanātha, duha** = of agonies, **duria** = sins, **khaṇḍaṇa** = the annihilator

avara-videhim titthayarā = other **tīrthaṅkara**s of **mahāvideha** region

avara = other, **videhim** = of **mahāvideha** region, **titthayarā** = **tīrthaṅkara**s

cihum disi vidisi = in all the directions and intermediate directions

cihum = in all, **disi** = the directions, **vidisi** = intermediate directions

jim ke vi = any of the

tīāṇāgaya sampai ya = existed in the past, will exist in future and exists at present

tī = existed in the past, **āṇāgaya** = will exist in future, **sampai ya** = exists at present

vandaum jiṇa savve vi = i am obeisancing to all the **jineśvara**s

vandaum = i am obeisancing, **jiṇa** = the **jineśvara**s, **savve vi** = to all

4.sattāṇavai sahassā = ninety seven thousand

अट्ठ उ आठ, **कोडीओ उ** क्रोड़

बत्तीस-सय बासियाइं उ बत्तीस सौ बयासी झ३२८२ट

बत्तीस उ बत्तीस, **सय उ** सौ, **बासीयाइं उ** बयासी

तिअ-लोए चेइए वंदे उ तीनों लोक में स्थित चैत्यों झमंदिरोंट को मैं वंदन करता हूँ

तिअ उ तीनों, **लोए उ** लोक में स्थित, **चेइए उ** चैत्यों को, **वंदे उ** वंदन करता हूँ

५.पनरस-कोडि-सयाइं उ पंद्रह सौ झ१५००ट क्रोड़ झपंद्रह अरबट

पनरस उ पंद्रह, **सयाइं उ** सौ

कोडि बायाल लक्ख अडवन्ना उ बयालीस झ४२ट क्रोड़ अट्ठावन झ५८ट लाख

बायाल उ बयालीस, **लक्ख उ** लाख, **अडवन्ना उ** अट्ठावन

छत्तीस-सहस-असीइं उ छत्तीस हजार अस्सी झ३६०८०ट

छत्तीस उ छत्तीस, **सहस उ** हजार, **असीइं उ** अस्सी

सासय-बिंबाइं पणमामि उ शाश्वत प्रतिमाओं को मैं वंदन करता हूँ

सासय उ शाश्वत, **बिंबाइं उ** प्रतिमाओं को, **पणमामि उ** वंदन करता हूँ

sattāṇavai = ninety seven, **sahassā** = thousand

lakkhā chappanna = fifty six lac

lakkhā = lac, **chappanna** = fifty six

aṭṭha-koḍīo = eight crore

aṭṭha = eight, **koḍīo** = crore

battīsa-saya bāsiyāim = thirty two hundred and eighty two [3282]

battīsa = thirty two, **saya** = hundred, **bāsiyāim** = eighty two

tia-loe ceie vande = i am obeisancing the temples present in all the three worlds

tia = all the three, **loe** = present in the worlds, **ceie** = the temples, **vande** = i am obeisancing

5.panarasa-koḍi-sayāim = fifteen hundred [1500] crore [fifteen arab]

panarasa = fifteen, **sayāim** = hundred

koḍi bāyāla lakkha aḍavannā = forty two crore fifty eight lac

bāyāla = forty two, **lakkha** = lac, **aḍavannā** = fifty eight

chattīsa-sahasa-asīim = thirty six thousand eighty [36080]

गाथार्थ :-

हे **भगवन्**! स्वेच्छा से आज्ञा प्रदान करो. इमैंट **चैत्यवंदन** करूँ? इमैंट आपकी आज्ञा स्वीकार करता हूँ.

जगत के लिये चिंतामणि रत्न समान!, जगत के स्वामी!, जगत् के गुरु! जगत् के जीवों का रक्षण करने वाले! जगत् के बंधु!, जगत् के सार्थवाह!, जगत् के सर्व भावों को जानने और प्रकाशित करने में निपुण!, **अष्टापद** पर्वत पर स्थापित की गई हैं जिनकी प्रतिमाएँ ऐसे! आठों **कर्मों** को नाश करने वाले!, अखंडित शासन वाले! हे चौबीसों **जिनेश्वर!** आपकी जय हो. १.

कर्म भूमियों में प्रथम **संघयण** वाले उत्कृष्ट से एक सौ सत्तर **जिनेश्वर**, नव क्रोड़ **केवली** और नव हजार क्रोड़ इ२० अरबट **साधु** विचरण करते हुए पाए जाते हैं. वर्तमान काल के बीस **जिनेश्वर मुनि**, दो क्रोड़ **केवल-ज्ञानी** और दो हजार क्रोड़ इ२० अरबट **साधुओं** का प्रातःकाल में नित्य स्तवन किया जाता है. .....२.

हे **स्वामी!** आपकी जय हो! हे **स्वामी!** आपकी जय हो! **शत्रुंजय** तीर्थ पर विराजित हे **श्री ऋषभदेव!, गिरनार** पर्वत पर विराजमान हे **श्री नेमिनाथ प्रभु!, साँचोर** के शृंगार रूप हे **श्री महावीर स्वामी!, भरूच** में विराजित

chattīsa = thirty six, **sahasa** = thousand, **asīim** = eighty

sāsaya-bimbāim paṇamāmi = i am obeisancing to the eternal idols

sāsaya = eternal, **bimbāim** = to the idols, **paṇamāmi** = i am obeisancing

Stanzaic meaning :—

oh **bhagavan**! give the permission voluntarily. Shall [i] perform the **caitya-vandana**? [i] am accepting your order.

Oh all the twenty four **jineśvara**s!, alike the fabulous mythological gem for living beings of the universe!, the lord of the universe!, the preceptor of the universe!, the protector of the living beings of the universe!, the brother of the universe!, the supreme guide of the world!, proficient in knowing and manifesting all the truths of the universe!, such whose idols are consecrated on **aṣṭāpada** mountain, the annihilator of all the eight **karma** s!, the unimpaired ruler!, be your victory. ..1.

At the most one hundred and seventy **jineśvara**s having first **saṅghayaṇa**, nine crore **kevalī**, nine thousand crore [ninety arab] **sādhu**s are found moving about in the lands of activities. Eulogy of twenty **jineśvara muni**s, two crore **kevala-jñānī** and two thousand crore [twenty arab] **sādhu**s of present era is performed every

हे **श्री मुनिसुव्रत स्वामी!**, दुःख और पाप का नाश करने वाले **मथुरा** में विराजित हे **श्री पार्श्वनाथ!** आपकी जय हो! **महाविदेह** क्षेत्र के तथा चारों दिशाओं और विदिशाओं में जो कोई भी अन्य **तीर्थंकर** भूत काल में हुए हों, भविष्य काल में होने वाले हों और वर्तमान काल में हुए हों झ्उनट सर्व **जिनेश्वरों** को मैं वंदन करता हूँ. .....३.

तीनों लोक में स्थित आठ क्रोड़ सत्तावन लाख दो सौ बयासी झ८,५७,००,२८२ट **जिन** चैत्यों को मैं वंदन करता हूँ. .....४.

तीनों लोक में स्थित पंद्रह अरब बयालीस क्रोड़ अट्ठावन लाख छत्तीस हजार अस्सी झ१५,४२,५८,३६,०८०ट शाश्वत **जिन** प्रतिमाओं को मैं वंदन करता हूँ. .....५.

विशेषार्थ :-

कर्म भूमि :-

१. असि झ्शस्त्रट, मसि झ्स्याहीट और कृषि झ्खेतीट के व्यापार वाली भूमि एवं जीव द्वारा संयम, तप आदि के पालन तथा मोक्ष गमन के योग्य भूमि.

२. **अढ़ाई द्वीप** में स्थित पाँच **भरत**, पाँच **ऐरावत** और पाँच **महाविदेह** क्षेत्र.

morning. .....2.

Oh **svāmī**! be your victory, oh **svāmī**! be your victory. Oh **śrī ṛṣabhadeva** gracing the pilgrimage center of **śatruñjaya**!, Oh **śrī neminātha prabhu** gracing **giranāra** mountain!, Oh **śrī mahāvīra svāmī**, an ornament of **sā॰cora**!, oh **śrī munisuvrata svāmī** gracing **bharūca**!, oh **śrī pārśvanātha** gracing **mathurā**!, the destroyer of agonies and sins be your victory. I am obeisancing to all [those] **tīrthaṅkara**s of **mahāvideha** region and any of the other **jineśvara**s existed in past, will exist in future and exists at present in all directions and intermediate directions. .....3.

I am obeisancing to eight crore fifty seven lac two hundred and eighty two [8,57,00,282] **jina** temples present in all the three worlds. .....4.

I am obeisancing to fifteen arab forty two crore fifty-eight lac thirty six thousand and eighty [15,42,58,36,080] eternal **jina** idols [present in all the three worlds].5.

Specific meaning :-

karma bhūmi :-

1. The land of activities with arms, ink and farm and the land fit for the observance

आठ कर्म :-

१. **ज्ञानावरणीय कर्म-** आत्मा के ज्ञान गुण का आवरण करने वाला **कर्म.**

२. **दर्शनावरणीय कर्म-** आत्मा के दर्शन गुण का आवरण करने वाला **कर्म.**

३. **वेदनीय कर्म-** सुख-दुःख का अनुभव कराने वाला **कर्म.**

४. **मोहनीय कर्म-** मोह आदि उत्पन्न करने वाला **कर्म.**

५. **आयुष्य कर्म-** आयुष्य की समय मर्यादा निश्चित करने वाला **कर्म.**

६. **नाम कर्म-** शरीर के आकार आदि की प्राप्ति कराने वाला **कर्म.**

७. **गोत्र कर्म-** ऊँच-नीच गोत्र का बंध कराने वाला **कर्म.**

८. **अंतराय कर्म-** दान, लाभ आदि में अवरोध करने वाला **कर्म.**

चैत्यवंदन उ चैत्य झ्मंदिर / प्रतिमाट को किया जाने वाला वंदन.

चार विदिशाएँ उ ईशान झ्पूर्वोत्तरट, आग्नेय झ्पूर्व-दक्षिणट, नैर्ऋत्य झ्पश्चिम-दक्षिणट और वायव्य झ्पश्चिमोत्तरट दिशा.

भारतीय और अंग्रेज गुणात्मक संख्या :-

१,००,००० झ्एक लाखट.. उ १/१० झ्एक दशांशट मिलीयन झ्मिल्यनट

of self-control, penance etc. and suitable for movement towards salvation.

2. The regions of five **bharata**, five **airāvata** and five **mahāvideha** situated in **aḍhāī dvīpa** [two and a half ilands].

Eight karmas :-

1. **jñānāvaraṇīya karma- karma** obscuring the quality of knowledge of the soul.
2. **darśanāvaraṇīya karma- karma** obscuring the cognitive power / power of right faith of the soul.
3. **vedanīya karma- karma** experiencing the feelings of happiness and pain / sorrow.
4. **mohanīya karma- karma** creating delusion etc.
5. **āyuṣya karma- karma** determining the period to the age.
6. **nāma karma- karma** causing the soul to acquire the shape of the body etc.
7. **gotra karma- karma** determining high and low family lineage.
8. **antarāya karma- karma** making obstructions in charity, acquisitions etc.

caityavandana = Obeisance done to a **caitya** [temple / idol].

Four intermediate directions :- Oblique directions of north-east, south-east, south-west and north-west.

१०,००,००० झ्रदस लाखट..... उ १ झ्रएकट मिलीयन

१,००,००,००० झ्रएक क्रोड़ट..... उ १० झ्रदसट मिलीयन

१०,००,००,००० झ्रदस क्रोड़ट..... उ १०० झ्रएक सौट मिलीयन

१००,००,००,००० झ्रएक सौ क्रोड़ / एक अबजट उ १,००० झ्रएक हजारट मिलीयन

१०००,००,००,००० झ्रएक हजार क्रोड़ / दस अबजट उ १०,००० झ्रदस हजारट मिलीयन

सूत्र परिचय :-

चैत्य-वंदन के रूप में रचित इस **सूत्र** से सर्व **तीर्थंकर भगवंतों**, प्रसिद्ध तीर्थों, सर्व चैत्यों झ्रमंदिरोंट और **जिन** प्रतिमाओं की स्तुति तथा **श्रमण भगवंतों** आदि को वंदन किया गया है.

Indian and English cardinal numbers :-

1,00,000 [one lac]..... = 1/10 [one-tenth] million

10,00,000 [ten lac]..... = 1 [one] million

1,00,00,000 [one crore]..... = 10 [ten] million

10,00,00,000 [ten crore]..... = 100 [one hundred] million

100,00,00,000 [one hundred crore / one abaj]..... = 1,000 [one thousand] million

1000,00,00,000 [one thousand crore / ten abaj].... = 10,000 [ten thousand] million

Introduction of the sūtra :-

The glorification of all the **tīrthaṅkara bhagavantas**, famous places of pilgrimage, temples and **jina** idols and obeisance to the **śramaṇa bhagavantas** etc. is being done by this **sūtra** composed in the form of a **caitya-vandana**.

१२. जं किंचि सूत्र

जं किंचि नाम-तित्थं, सग्गे पायालि माणुसे लोए.
जाइं जिण-बिंबाइं, ताइं सव्वाइं वंदामि. ..... .१.

शब्दार्थ :-

जं किंचि नाम तित्थं उ जो कोई भी नामरूपी तीर्थ हो
जं उ जो, **किंचि उ** कोई भी, **नाम उ** नाम रूपी, **तित्थं उ** तीर्थ हो

सग्गे पायालि माणुसे लोए उ स्वर्ग, पाताल और मनुष्य लोक में
सग्गे उ स्वर्ग, **पायालि उ** पाताल, **माणुसे उ** मनुष्य, **लोए उ** लोक में

जाइं जिण-बिंबाइं उ जो भी **जिन** प्रतिमाएँ हों
जाइं उ जो भी, **जिण उ जिन, बिंबाइं उ** प्रतिमाएँ हों

ताइं सव्वाइं वंदामि उ उन सब को मैं वंदन करता हूँ
ताइं उ उन, **सव्वाइं उ** सब को, **वंदामि उ** मैं वंदन करता हूँ

12. jam kiñci sūtra

jam kiñci nāma-tittham, sagge pāyāli māṇuse loe.
jāim jiṇa-bimbāim, tāim savvāim vandāmi. ..... .1.

Literal meaning :-

jam kiñci nāma tittham = whichever place of pilgrimage be present by name
jam kiñci = whichever, **nāma** = by name, **tittham** = place of pilgrimage be present

sagge pāyāli māṇuse loe = in heaven, nether world and human world
sagge = in heaven, **pāyāli** = nether world, **māṇuse** = human, **loe** = world

jāim jiṇa-bimbāim = whichever **jina** idols be present
jāim = whichever, **jiṇa = jina, bimbāim** = idols be present

tāim savvāim vandāmi = i obeisance to all of them
tāim = them, **savvāim** = to all of, **vandāmi** = i obeisance

गाथार्थ :-

स्वर्ग, पाताल और मनुष्य लोक में जो कोई भी नामरूपी तीर्थ हों, जो भी **जिन** प्रतिमाएँ हों, उन सब को मैं वंदन करता हूँ.....१.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** में तीनों लोक में स्थित सर्व **जैन** तीर्थों और सर्व **जिन** प्रतिमाओं को नमस्कार किया गया है.

Stanzaic meaning :-

Whichever places of pilgrimage be present by name, whichever **jina** idols be present in heaven, nether world and human world, I obeisance to all of them.1.

Introduction of the sūtra :-

By this **sūtra**, salutation is being offered to all the **jaina** pilgrim centres and all the **jina** idols existing in the three worlds.

१३. नमुत्थु णं सूत्र

नमुत्थु णं, अरिहंताणं, भगवंताणं. ..... .१.
आइ-गराणं, तित्थ-यराणं, सयं-संबुद्धाणं. ..... .२.
पुरिसुत्तमाणं, पुरिस-सीहाणं, पुरिस-वर-पुंडरीआणं,
पुरिस-वर-गंध-हत्थीणं. ..... .३.
लोगुत्तमाणं, लोग-नाहाणं, लोग-हिआणं, लोग-पईवाणं,
लोग-पज्जोअ-गराणं..... .४.
अभय-दयाणं, चक्खु-दयाणं, मग्ग-दयाणं,
सरण-दयाणं, बोहि-दयाणं. ..... .५.
धम्म-दयाणं, धम्म-देसयाणं, धम्म-नायगाणं,
धम्म-सारहीणं, धम्म-वर-चाउरंत-चक्कवट्टीणं..... .६.
अप्पडिहय-वर-नाण-दंसण-धराणं, वियट्ट-छउमाणं. . .७.
जिणाणं, जावयाणं, तिन्नाणं, तारयाणं, बुद्धाणं,
बोहयाणं, मुत्ताणं, मोअगाणं. ..... .८.

13. namutthu ṇam sūtra

namutthu ṇam, arihaṇtāṇam, bhagavaṇtāṇam. ..... .1.
āi-garāṇam, tittha-yarāṇam, sayaṃ-saṃbuddhāṇam. ..... .2.
purisuttamāṇam, purisa-sīhāṇam, purisa-vara-puṇḍarīāṇam,
purisa-vara-gaṇdha-hatthīṇam. ..... .3.
loguttamāṇam, loga-nāhāṇam, loga-hiāṇam, loga-paīvāṇam,
loga-pajjoa-garāṇam. ..... .4.
abhaya-dayāṇam, cakkhu-dayāṇam, magga-dayāṇam,
saraṇa-dayāṇam, bohi-dayāṇam. ..... .5.
dhamma-dayāṇam, dhamma-desayāṇam, dhamma-nāyagāṇam,
dhamma-sārahīṇam, dhamma-vara-cāuraṇta-cakkavaṭṭīṇam... .6.
appaḍihaya-vara-nāṇa-daṇsaṇa-dharāṇam, viyaṭṭa-chaumāṇam.
.7.
jiṇāṇam, jāvayāṇam, tinnāṇam, tārayāṇam, buddhāṇam,

सव्वन्नूणं, सव्व-दरिसीणं, सिव-मयल-मरुअ-मणंत-
मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावित्ति सिद्धिगइ-नामधेयं
ठाणं संपत्ताणं, नमो जिणाणं, जिअ-भयाणं. ..... .९.
जे अ अईया सिद्धा, जे अ भविस्संति-णागए काले.
संपइ अ वट्टमाणा, सव्वे ति-विहेण वंदामि. ..... .१०.

शब्दार्थ :-

१.नमुत्थु णं उ नमस्कार हो
अरिहंताणं भगवंताणं उ अरिहंत भगवंतों को
अरिहंताणं उ अरिहंत, भगवंताणं उ भगवंतों को
२.आइ-गराणं उ इश्रुत कीट आदि करने वाले
आइ उ आदि, **गराणं उ** करने वाले
तित्थ-यराणं उ तीर्थंकर
सयं-संबुद्धाणं उ स्वयं बोध प्राप्त किये हुए
सयं उ स्वयं, **संबुद्धाणं उ** बोध प्राप्त किये हुए
३.पुरिसुत्तमाणं उ पुरुषों में उत्तम
पुरिस उ पुरुषों में, **उत्तमाणं उ** उत्तम

bohayāṇam, muttāṇam, moagāṇam. ..... .8.
savvannūṇam, savva-darisīṇam, siva-mayala-marua-maṇanta-
makkhaya-mavvābāha-mapuṇarāvitti siddhigai-nāmadheyam
ṭhāṇam sampattāṇam, namo jiṇāṇam, jia-bhayāṇam. ..... .9.
je a aīyā siddhā, je a bhavissanti-ṇāgae kāle.
sampai a vaṭṭamāṇā, savve ti-viheṇa vandāmi. ..... .10.

Literal meaning :-

1.namutthu ṇam = be obeisance
arihantāṇam bhagavantāṇam = to **arihanta bhagavantas**
arihantāṇam = to **arihanta**, **bhagavantāṇam** = **bhagavantas**
2.āi-garāṇam = the beginners [of **śruta**]

tittha-yarāṇam = the **tīrthaṅkaras**
sayam-sambuddhāṇam = attainers of enlightenment by himself
sayam = by himself, **sambuddhāṇam** = attainers of enlightenment
3.purisuttamāṇam = best among men

पुरिस-सीहाणं उ पुरुषों में सिंह समान निर्भय	**purisa** = among men, **uttamāṇam** = best
सीहाणं उ सिंह समान	**purisa-sīhāṇam** = fearless like a lion among men
पुरिस-वर-पुंडरीआणं उ पुरुषों में पुंडरीक कमल समान श्रेष्ठ	**sīhāṇam** = like a lion
वर उ श्रेष्ठ, **पुंडरीआणं उ** पुंडरीक कमल समान	**purisa-vara-puṇḍarīāṇam** = best among men like a white lotus
पुरिस-वर-गंध-हत्थीणं उ पुरुषों में गंध हस्ती झ्हाथीट समान श्रेष्ठ	**vara** = best, **puṇḍarīāṇam** = like a white lotus
गंध उ गंध, **हत्थीणं उ** हाथी के समान	**purisa-vara-gandha-hatthīṇam** = best among men like a superior elephant
४.लोगुत्तमाणं उ लोक में उत्तम	**gandha-hatthīṇam** = like a superior elephant
लोग उ लोक में	**4.loguttamāṇam** = best in the world / universe
लोग-नाहाणं उ लोक के नाथ	**loga** = in the world
लोग उ लोक के, **नाहाणं उ** नाथ	**loga-nāhāṇam** = lords of the universe
लोग-हिआणं उ लोक का हित करने वाले	**loga** = of the universe, **nāhāṇam** = lords
लोग उ लोक का, **हिआणं उ** हित करने वाले	**loga-hiāṇam** = benefactors of the universe
लोग-पईवाणं उ लोक में दीपक समान	**hiāṇam** = benefactors
पईवाणं उ दीपक समान	**loga-paīvāṇam** = like a lamp in the universe
लोग-पज्जोअ-गराणं उ लोक में प्रकाश करने वाले	**paīvāṇam** = like a lamp
पज्जोअ उ प्रकाश	**loga-pajjoa-garāṇam** = illuminators in the universe
५.अभय-दयाणं उ अभय प्रदान करने वाले	**pajjoa-garāṇam** = illuminators
अभय उ अभय, **दयाणं उ** प्रदान करने वाले	**5.abhaya-dayāṇam** = bestowers of fearlessness

चक्खु-दयाणं उ झ्सम्यक्त्व रूपीट नेत्र प्रदान करने वाले	**abhaya** = of fearlessness, **dayāṇam** = bestowers
चक्खु उ नेत्र	**cakkhu-dayāṇam** = bestowers of [right faith in the from of] vision / eyes
मग्ग-दयाणं उ झ्मोक्षट मार्ग-दर्शक	**cakkhu** = of vision,
मग्ग उ मार्ग, **दयाणं उ** दर्शक	**magga-dayāṇam** = guides to the path [of salvation]
सरण-दयाणं उ शरण देने वाले	**magga** = of the path, **dayāṇam** = guides
सरण उ शरण, **दयाणं उ** देने वाले	**saraṇa-dayāṇam** = granters of protection
बोहि-दयाणं उ बोधि-बीज देने वाले	**saraṇa** = of protection, **dayāṇam** = granters
बोहि उ बोधि-बीज	**bohi-dayāṇam** = bestowers of seed of right faith [to attain salvation]
६.धम्म-दयाणं उ धर्म प्रदान करने वाले	**bohi** = of seed of right faith,
धम्म उ धर्म	**6.dhamma-dayāṇam** = bestowers of religiousness / path of right conduct
धम्म-देसयाणं उ धर्मोपदेश देने वाले	**dhamma** = of religiousness
देसयाणं उ उपदेश देने वाले	**dhamma-desayāṇam** = preachers of religious principles
धम्म-नायगाणं उ धर्म के स्वामी	**dhamma** = of religious principles, **desayāṇam** = preachers
धम्म उ धर्म के, **नायगाणं उ** स्वामी	**dhamma-nāyagāṇam** = leaders of the religion
धम्म-सारहीणं उ धर्म के सारथि / प्रवर्तक	**dhamma** = of the religion, **nāyagāṇam** = leaders
धम्म उ धर्म के, **सारहीणं उ** सारथि	**dhamma-sārahīṇam** = charioteers / founders of religion
धम्म-वर-चाउरंत-चक्कवट्टीणं उ चतुर्गति नाशक श्रेष्ठ धर्म	**sārahīṇam** = charioteers
झ्मोक्षमार्गट रूपी चक्र धारण करने वाले	**dhamma-vara-cāuranta-cakkavaṭṭīṇam** = holders of best religion [path of

चाउरंत उ चतुर्गति नाशक, **चक्कवट्टीणं उ** चक्र धारण करने वाले

salvation] in the from of disk destroying four states of birth / life

cāuraṇta = destroying four states of birth, **cakkavaṭṭīṇam** = holders of disk

७.अप्पडिहय-वर-नाण-दंसण-धराणं उ नष्ट न होने वाले श्रेष्ठ **ज्ञान** और **दर्शन** को धारण करने वाले

अप्पडिहय उ नष्ट न होने वाले, **नाण उ ज्ञान**, **दंसण उ दर्शन** को, **धराणं उ** धारण करने वाले

7.appaḍihaya-vara-nāṇa-daṇsaṇa-dharāṇam = holders of undestructible best **jñāna** [knowledge] and **darśana** [faith]

appaḍihaya = undestructible, **nāṇa** = of **jñāna, daṇsaṇa = darśana, dharāṇam** = holders

वियट्ट-छउमाणं उ छद्मस्थता झअपूर्ण ज्ञानट से रहित

वियट्ट उ रहित, **छउमाणं उ** छद्मस्थता से

viyaṭṭa-chaumāṇam = devoid of incompleteness / imperfect knowledge

viyaṭṭa = devoid, **chaumāṇam** = of **chadmasthatā** [incompleteness]

८.जिणाणं जावयाणं उ झइंद्रिय आदि कोट जीतने वाले और जिताने वाले

जिणाणं उ जीतने वाले, **जावयाणं उ** जिताने वाले

8.jiṇāṇam jāvayāṇam = the conquerors and helpers in such conquer [of sense organs etc.]

jiṇāṇam = the conquerors, **jāvayāṇam** = helpers in such conquer

तिन्नाणं तारयाणं उ झसंसार समुद्र सेट तरे हुए और तारने वाले

तिन्नाणं उ तरे हुए, **तारयाणं उ** तारने वाले

tinnāṇam tārayāṇam = the crossers and helpers to crossover [the ocean of world / life]

tinnāṇam = the crossers, **tārayāṇam** = helpers to crossover

बुद्धाणं बोहयाणं उ बोध प्राप्त किये हुए और बोध प्राप्त कराने वाले

बुद्धाणं उ बोध प्राप्त किये हुए, **बोहयाणं उ** बोध प्राप्त कराने वाले

buddhāṇam bohayāṇam = the achievers of perfect knowledge and helpers in attaining perfect knowledge

buddhāṇam = the achievers of perfect knowledge, **bohayāṇam** = helpers in attaining perfect knowledge

मुत्ताणं मोअगाणं उ मुक्त और मुक्ति प्राप्त कराने वाले

मुत्ताणं उ मुक्त, **मोअगाणं उ** मुक्ति प्राप्त कराने वाले

९.सव्वन्नूणं सव्व-दरिसीणं उ सर्वज्ञ और सर्वदर्शी

सव्वन्नूणं उ सर्वज्ञ, **सव्व उ** सर्व, **दरिसीणं उ** देखने वाले

सिव-मयल-मरुअ-मणंत-मक्खय-मव्वाबाह-मपुणरावित्ति उ शिव झ्उपद्रव रहितट, अचल झ्स्थिरट, अरुज झ्रोग रहितट, अनंत झ्अंत रहितट, अक्षय झ्क्षय रहितट, अव्याबाध झ्**कर्म** जन्य पीड़ा रहितट, अपुनरावृत्ति झ्पुनरागमन रहित / जहाँ जाने के बाद पुनः संसार में आना नहीं पडता / पुनर्जन्म मृत्यु रहितट

सिवं उ शिव, **अयलं उ** अचल, **अरुअं उ** अरुज, **अणंतं उ** अनंत, **अक्खयं उ** अक्षय, **अव्वाबाहं उ** अव्याबाध, **अपुणरावित्ति उ** अपुनरावृत्ति

सिद्धिगइ नामधेयं ठाणं संपत्ताणं उ सिद्धिगति नामक स्थान को प्राप्त किये हुए

सिद्धि उ सिद्धि, गइ उ गति, नामधेयं उ नामक, **ठाणं उ** स्थान को, **संपत्ताणं उ** प्राप्त किये हुए

नमो जिणाणं उ जिनेश्वरों को नमस्कार हो

नमो उ नमस्कार हो, **जिणाणं उ जिनेश्वरों** को

muttāṇam moagāṇam = the salvated and the helpers to attain salvation

muttāṇam = the salvated, **moagāṇam** = the helpers to attain salvation

9.savvannūṇam savva-darisīṇam = all-knowers [omniscient] and all-viewers [omni-viewers]

savva = all, **nnūṇam** = knowers, **darisīṇam** = viewers

siva-mayala-marua-maṇanta-makkhaya-mavvābāha-mapuṇarāvitti = well being [free form calamities], constant, healthy [free form all diseases], everlasting [endless], imperishable, free form undisturbance [free from troubles resulting from **karma**s], free from rearrival [where after reaching, need not return back in the worldly life again / free from cycle of birth and death]

sivam = well being, **ayalam** = constant, **aruam** = healthy, **aṇantam** = everlasting, **akkhayam** = imperishable, **avvābāham** = free form undisturbance, **apuṇarāvitti** = free from rearrival

siddhigai nāmadheyam ṭhāṇam sampattāṇam = having reached the place by name **siddhi-gati** [an abode of salvation]

siddhi = siddhi, gai = gati, nāmadheyam = by name, **ṭhāṇam** = the place, **sampattāṇam** = having reached

namo jiṇāṇam = be obeisance to the **jineśvara**s

जिअ-भयाणं उ भय को जीतने वाले

जिअ उ जीतने वाले, **भयाणं उ** भय को

१०.जे अ अईआ सिद्धा उ और जो भूत काल में सिद्ध हुए हैं

जे उ जो, **अ उ** और, **अईआ उ** भूत काल में, **सिद्धा उ** सिद्ध हुए हैं

जे अ भविस्संति-णागए-काले उ और जो भविष्य काल में झसिद्धट होंगे

भविस्संति उ होंगे, **णागए उ** भविष्य, **काले उ** काल में

संपइ अ वट्टमाणा उ और वर्तमान काल में विद्यमान हैं

संपइ उ वर्तमान काल में, **वट्टमाणा उ** विद्यमान हैं

सव्वे ति-विहेण वंदामि उ झउनट सब **झअरिहंतोंट** को मैं तीनों प्रकार झमन, वचन और कायाट से वंदन करता हूँ

सव्वे उ सबको, **ति उ** तीनों, **विहेण उ** प्रकार से, **वंदामि उ** वंदन करता हूँ

गाथार्थ :–

अरिहंत भगवंतों को नमस्कार हो. .....१.

श्रुत की आदि करने वाले, **तीर्थंकर**, स्वयं बोध प्राप्त किये हुए,... २.

namo = be obeisance, **jiṇāṇam** = to the **jineśvara**s

jia-bhayāṇam = conquerors of fear

jia = conquerors, **bhayāṇam** = of fear

10.je a aīā siddhā = and who have attained salvation in the past

je = who, **a** = and, **aīā** = in the past, **siddhā** = have attained salvation

je a bhavissanti-ṇāgae-kāle = and who will attain [salvation] in future

bhavissanti = will attain, **ṇāgae-kāle** = in future

sampai a vaṭṭamāṇā = and are existing at present

sampai = at present, **vaṭṭamāṇā** = are existing

savve ti-viheṇa vandāmi = i am obeisancing all [of those **arihanta**s] in three ways [by thought, words and action]

savve = all, **ti** = in three, **viheṇa** = ways, **vandāmi** = i am obeisancing

Stanzaic meaning :–

Be obeisance to **arihanta bhagavanta**s. .....1.

Be obeisance to **jineśvara**s [stanza.9], the beginners of **śruta**, the **tīrthaṅkara**s,

...पुरुषों में उत्तम, पुरुषों में सिंह समान, पुरुषों में पुंडरीक कमल समान श्रेष्ठ, पुरुषों में गंध हस्ती के समान श्रेष्ठ,... .....३.

...लोक में उत्तम, लोक के नाथ, लोक का हित करने वाले, लोक में दीपक समान, लोक में प्रकाश करने वाले,... .....४.

...अभय प्रदान करने वाले, नेत्र प्रदान करने वाले, मार्ग दिखाने वाले, शरण देने वाले, बोधि-बीज देने वाले,... .....५.

...धर्म प्रदान करने वाले, धर्मोपदेश देने वाले, धर्म के स्वामी, धर्म के सारथी, चतुर्गति नाशक श्रेष्ठ धर्म रूपी चक्र को धारण करने वाले,... ६.

...नष्ट न होने वाले श्रेष्ठ **ज्ञान** और **दर्शन** को धारण करने वाले, छद्मस्थता से रहित,... .....७.

...जीतने वाले और जिताने वाले, तरे हुए और तारने वाले, बोध पाये हुए और बोध प्राप्त कराने वाले, मुक्त झ्मुक्ति पाये हुएट और मुक्ति प्राप्त कराने वाले,... .....८.

...सर्वज्ञ और सर्वदर्शी, शिव, अचल, अरुज, अनंत, अक्षय, अव्याबाध, अपुनरावृत्ति, **सिद्धि गति** नामक स्थान को प्राप्त किये हुए और भय को जीतने वाले झ्**जिनेश्वरों** को नमस्कार होट. .....९.

the attainers of enlightenment by himself,... .....2.

...best among men, fearless like lion among men, best among men like white lotus, best among men like a superior elephant,... .....3.

...best in the universe, lord of the universe, benefactors of the world, like a lamp in the world, illuminators in the world,... .....4.

...bestowers of fearlessness, bestowers of vision, guides to the path, granters of protection, bestowers of seed of right faith to attain salvation,... .....5.

...bestowers of religiousness, preachers of religious principles, leaders of religion, charioteers of religion, holders of best religion in the from of disc destroying four states of birth,... .....6.

...holdersof undestructible best **jñāna** and **darśana**, devoid of incomplete-ness,... 7.

...the conquerors and helpers in such conquer, the crossers and helpers to cross over, the achievers of perfect knowledge and helpers in attaining perfect knowledge, salvated and helpers to attain salvation,... ..... .8.

[be obeisance to the **jineśvara**]... the all knowers, the all viewers, having reached the place of well being, constant, healthy, ever lasting, imperishable, free from undisturbance, free from rearrival [non-return] by name **siddhi gati** and

और जो भूत काल में सिद्ध हुए हैं, भविष्य काल में झ्रसिद्धट होंगे और वर्तमान काल में विद्यमान हैं झ्उनट सर्व **झ्अरिहंतोंट** को मैं तीनों प्रकार से वंदन करता हूँ. ..... १०.

विशेषार्थ :–

चार प्रकार के जिनेश्वर :-

१. **नाम जिन- तीर्थंकरों** के नाम,
२. **स्थापना जिन- तीर्थंकरों** की प्रतिमाएँ आदि,
३. **द्रव्य जिन-** भविष्य में होने वाले **तीर्थंकरों** के जीव और **सिद्ध-गति** को प्राप्त **तीर्थंकरों** की आत्माएँ,
४. **भाव जिन- समवसरण** में विराजित / **केवलज्ञान** से युक्त **तीर्थंकर**.

सात प्रकार के भय :-

१. इह लोक भय, २. परलोक भय, ३. आदान झ्चोरी काट भय, ४. अकस्मात झ्अग्नि, जल, प्रलय आदि काट भय, ५. वेदना झ्रोग-पीड़ा आदि काट भय, ६. मृत्यु भय और ७. अपकीर्ति भय.

चार गति उ नरक गति, तिर्यंच गति, मनुष्य गति और देव गति.

conquerors of fear. .....9.
And I am obeisancing to all [those **arihanta**s] in three ways who have attained salvation in the past, who will attain [salvation] in future and are existing at present. 10.

Specific meaning :–

Four types of jineśvara :–

1. **nāma jina–** names of the **tīrthaṅkara**s,
2. **sthāpanā jina–** Idols etc. of the **tīrthaṅkara**s,
3. **dravya jina–** souls to be **tīrthaṅkara**s in future / and souls of **tīrthaṅkara**s having attained **siddha-gati** [salvation],
4. **bhāva jina–tīrthaṅkara**s seated in **samavasaraṇa** / possessing **kevalajñāna**.

Seven types of fear :–

1. Fear of this world, 2. fear of life after death, 3. fear of robbery, 4. fear of accidents [of fire / conflagration, flood, great destruction / universal destruction etc.], 5. fear of agony [of disease, pain etc.], 6. fear of death and 7. fear of infamy.

Four forms of existence :– Existance as hell[living beings in hell], animal beings,

छद्मस्थता उ ज्ञानावरणीय, दर्शनावरणीय, मोहनीय और अंतराय कर्म-- इन चार घाती **कर्मों** झआत्मा के मूल गुणों पर घात करने वाले **कर्म**ट का आत्मा पर आवरण.

ज्ञान उ वस्तु या पदार्थ का विशेष बोध.

दर्शन उ वस्तु या पदार्थ का सामान्य झअविस्तृत / अपूर्ण / अविशेषट बोध.

शक्रेंद्र उ सौधर्म झप्रथमट देवलोक का **इंद्र**.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** द्वारा **शक्रेन्द्र अरिहंत भगवान** की उनके सर्वश्रेष्ठ गुणों के वर्णन से स्तुति करते हैं.

human beings and heavenly beings.

chadmasthatā = Obstruction of four highly obstructing **karma**s on the soul [**karma**s obstructing the chief virtues of the soul]-- **jñānāvaraṇīya, darśanāvaraṇīya, mohanīya** and **antarāya karma**.

jñāna = Detailed knowledge of a substance or a matter.

darśana = Simple [undetailed / incomplete / unspecific] knowledge of a substance or a matter.

śakrendra = **indra** [presiding deity] of **saudharma** [first] heaven.

Introduction of the sūtra :-

By this **sūtra, śakrendra** glorifies lord **arihanta bhagavāna** by the attribution of their supreme virtues.

सूत्र

१४. जावंति-चेइआइं सूत्र

जावंति चेइआइं, उड्ढे अ अहे अ तिरिअ-लोए अ.
सव्वाइं ताइं वंदे, इह संतो तत्थ संताइं. ..... .१.

शब्दार्थ :–

जावंति चेइआइं उ जितने **जिन** चैत्य
जावंति उ जितने, **चेइआइं उ** चैत्य
उड्ढे अ अहे अ तिरिअ लोए अ उ उर्ध्व लोक झस्वर्गट, अधो लोक झपातालट और तिर्यक् / मध्य झमनुष्यट लोक में
उड्ढे उ उर्ध्व, **अ उ** और, **अहे उ** अधो, **तिरिअ उ** तिर्यक्, **लोए उ** लोक में
सव्वाइं ताइं वंदे उ उन सब को मैं वंदन करता हूँ
सव्वाइं उ सब को, **ताइं उ** उन, **वंदे उ** मैं वंदन करता हूँ
इह संतो उ यहाँ रहा हुआ
इह उ यहाँ, **संतो उ** रहा हुआ
तत्थ संताइं उ वहां रहे हुए
तत्थ उ वहां, **संताइं उ** रहे हुए

14. jāvanti-ceiāim sūtra

jāvanti ceiāim, uḍḍhe a ahe a tiria-loe a.
savvāim tāim vande, iha santo tattha santāim. ..... .1.

Literal meaning :–

jāvanti ceiāim = as many as **jina** temples
jāvanti = as many as, **ceiāim** = temples
uḍḍhe a ahe a tiria loe a = in upper world [heaven], lower world [nether world / hell] and central world [world of human beings]
uḍḍhe = in upper, **a** = and, **ahe** = lower, **tiria** = central, **loe** = world

savvāim tāim vande = i am obeisancing to all of them
savvāim = to all of, **tāim** = them, **vande** = i am obeisancing
iha santo = being here
iha = here, **santo** = being
tattha santāim = present there
tattha = there, **santāim** = present

सूत्र

गाथार्थ :–

उर्ध्व लोक, अधो लोक और तिर्यक् लोक में जितने **जिन** चैत्य हैं, यहाँ रहा हुआ मैं, वहाँ रहे हुए उन सब इ्चैत्योंट को वंदन करता हूँ. ...१.

सूत्र परिचय :–

इस **सूत्र** से तीनों लोक में स्थित सर्व **जिन** चैत्यों को नमस्कार किया जाता है.

Stanzaic meaning :–

As many as **jina** temples are present in upper world, nether world and human world, being here, I am obeisancing to all of them [those temples] present there. ..... 1.

Introduction of the sūtra :–

By this **sūtra**, salutation is being done to all the **jina** temples existing in the three worlds.

१५. जावंत के वि सूत्र

जावंत के वि साहू, भरहेरवय-महा-विदेहे अ.
सव्वेसिं तेसिं पणओ, ति-विहेण ति-दंड-विरयाणं. ... .१.

शब्दार्थ :-

जावंत के वि साहू उ जितने कोई भी **साधु**
जावंत उ जितने, **के उ** कोई, **वि उ** भी, **साहू उ साधु**
भरहेरवय-महा-विदेहे अ उ भरत, ऐरावत और **महाविदेह** क्षेत्र में
भरह उ भरत, एरवय उ ऐरावत, महाविदेहे उ महाविदेह क्षेत्र में, **अ उ** और
सव्वेसिं तेसिं पणओ उ उन सबको मैं प्रणाम करता हूँ
सव्वेसिं उ सबको, **तेसिं उ** उन, **पणओ उ** मैं प्रणाम करता हूँ
ति-विहेण उ तीन प्रकार से
ति उ तीन, **विहेण उ** प्रकार से
ति-दंड-विरयाणं उ तीन प्रकार के दंड से निवृत्त
ति उ तीन प्रकार के, **दंड उ** दंड से, **विरयाणं उ** निवृत्त

15. jāvanta ke vi sūtra

jāvanta ke vi sāhū, bharaheravaya-mahā-videhe a.
savvesim tesim paṇao, ti-viheṇa ti-daṇḍa-virayāṇam. ..... .1.

Literal meaning :-

jāvanta ke vi sāhū = as many as any of the **sādhu**s
jāvanta = as many as, **ke** = any, **vi** = of, **sāhū** = **sādhu**s
bharaheravaya-mahā-videhe a = in **bharata, airāvata** and **mahāvideha** regions
bharaha = in **bharata, eravaya** = **airāvata, mahāvidehe** = **mahāvideha** regions, **a** = and
savvesim tesim paṇao = i am obeisancing to all of them
savvesim = to all of, **tesim** = them, **paṇao** = i am obeisancing
ti-viheṇa = by three ways
ti = three, **viheṇa** = by ways
ti-daṇḍa-virayāṇam = free from three types of punishment
ti = three types of, **daṇḍa** = punishment, **virayāṇam** = free from

गाथार्थ :-

भरत, ऐरावत और **महाविदेह** क्षेत्र में जितने भी **साधु** तीन प्रकार से, तीन दंड से निवृत्त हैं, उन सबको मैं प्रणाम करता हूँ. .....१.

विशेषार्थ :-

दंड उ आत्मा का दंडित होना / किसी को भी दंड देना.

तीन प्रकार के दंड :-

१. **मनो दंड-** मानसिक पाप के कारण आत्मा का दंडित होना / मन से किसी को दंड देना.

२. **वचन दंड-** वाचिक पाप के कारण आत्मा का दंडित होना / वचन से किसी को दंड देना.

३. **काय दंड-** शारीरिक पाप के कारण आत्मा का दंडित होना / काया से किसी को दंड देना.

सूत्र परिचय :–

इस **सूत्र** से सभी **भरत, ऐरावत** और **महाविदेह** क्षेत्र में स्थित सर्व **श्रमणों इस्साधुओंट** को नमस्कार किया जाता है.

Stanzaic meaning :–

As many as any of the **sādhu**s, free from three types of punishment in three ways present in **bharata, airāvata** and **mahāvideha** region, I am obeisancing to all of them. .....1.

Specific meaning :–

daṇḍa = Soul getting punished / to punish any one.

Three types of daṇḍa :–

1. **mano daṇḍa :–** Soul getting punished due to the guilts of evil thoughts / to punish any one by thoughts.
2. **vacana daṇḍa :–** Soul getting punished due to the guilts of wrong speaking [evil words] / to punish any one by words.
3. **kāya daṇḍa :–** Soul getting punished due to harmful activities / to punish any one by activities.

Introduction of the sūtra :—

By means of this **sūtra**, obeisance is being done to all the **śramaṇa**s [**sādhu**s] present in all the regions of **bharata, airāvata** and **mahāvideha**.

१६. नमोर्हत् सूत्र

नमोर्हत्-सिद्धा-चार्योपाध्याय-सर्व-साधुभ्यः..... .१.

शब्दार्थ :-

नमोर्हत्-सिद्धा-चार्योपाध्याय-सर्व-साधुभ्यः उ अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और सर्व **साधुओं** को नमस्कार हो
नमो उ नमस्कार हो, **अर्हत् उ अरिहंत, सिद्ध उ सिद्ध, आचार्य उ आचार्य, उपाध्याय उ उपाध्याय, सर्व उ** सर्व, **साधुभ्यः उ साधुओं** को

गाथार्थ :-

अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय और सर्व **साधुओं** को नमस्कार हो.

सूत्र परिचय :-

श्री सिद्धसेन दिवाकर सूरि द्वारा **दृष्टिवाद** नामक **पूर्व** में से उद्धृत इस **सूत्र** से **श्री पंच परमेष्ठी** को नमस्कार किया गया है.

16. namorhat sūtra

namorhat-siddhā-cāryopādhyāya-sarva-sādhubhyaḥ..... .1.

Literal meaning :-

namorhat-siddhā-cāryopādhyāya-sarva-sādhubhyaḥ = be obeisance to the **arihanta**, the **siddha**, the **ācārya**, the **upādhyāya** and all the **sādhu**s
namo = be obeisance, **arhat** = to the **arihanta**s, **siddha** = the **siddha**s, **ācārya** = the **ācārya**s, **upādhyāya** = the **upādhyāya**s, **sarva** = all, **sādhubhyaḥ** = the **sādhu**s

Stanzaic meaning :-

Be obeisance to the **arihanta**, the **siddha**, the **ācārya**, the **upādhyāya** and all the **sādhu**s.

Introduction of the sūtra :-

By means of this **sūtra** excerpted from the **pūrva** by name **dṛṣṭivāda** by **śrī siddhasena divākara sūri**, obeisance has been offered to the **pañca** [five] **parameṣṭhī**.

१७. उवसग्ग-हरं स्तोत्र

उवसग्ग-हरं पासं, पासं वंदामि कम्म-घण-मुक्कं.
विसहर-विस-निन्नासं, मंगल-कल्लाण-आवासं..... .१.
विसहर-फुलिंग-मंतं, कंठे धारेइ जो सया मणुओ.
तस्स गह-रोग-मारी, दुट्ठ-जरा जंति उवसामं. ..... .२.
चिट्ठउ दूरे मंतो, तुज्झ पणामो वि बहु-फलो होइ.
नर-तिरिएसु वि जीवा, पावंति न दुक्ख-दोगच्चं..... .३.
तुह सम्मत्ते लद्धे, चिंतामणि-कप्प-पायव-ब्भहिए.
पावंति अविग्घेणं, जीवा अयरामरं ठाणं..... .४.
इय संथुओ महायस! भत्ति-ब्भर-निब्भरेण हिअएण.
ता देव! दिज्ज बोहिं, भवे भवे पास! जिण-चंद!. .. .५.

शब्दार्थ :-

१.**उवसग्ग-हरं उ** उपसर्गों को दूर करने वाले
उवसग्ग उ उपसर्गों को, **हरं उ** दूर करने वाले

17. uvasagga-haram stotra

uvasagga-haram pāsam, pāsam vandāmi kamma-ghaṇa-mukkam.
visahara-visa-ninnāsam, maṅgala-kallāṇa-āvāsam. ..... .1.
visahara-phuliṅga-mantam, kaṇṭhe dhārei jo sayā maṇuo.
tassa gaha-roga-mārī, duṭṭha-jarā janti uvasāmam. ..... .2.
ciṭṭhau dūre manto, tujjha paṇāmo vi bahu-phalo hoi.
nara-tiriesu vi jīvā, pāvanti na dukkha-dogaccam. ..... .3.
tuha sammatte laddhe, cintāmaṇi-kappa-pāyava-bbhahie.
pāvanti aviggheṇam, jīvā ayarāmaram ṭhāṇam. ..... .4.
iya santhuo mahāyasa! bhatti-bbhara-nibbhareṇa hiaeṇa.
tā deva! dijja bohim, bhave bhave pāsa! jiṇa-canda!. ..... .5.

Literal meaning :-

1.**uvasagga-haram** = the eliminator of disturbances

पासं उ पार्श्व यक्ष सहित

पासं वंदामि उ श्री पार्श्वनाथ भगवान को मैं वंदन करता हूँ

पासं उ श्री पार्श्वनाथ भगवान को, **वंदामि उ** मैं वंदन करता हूँ

कम्म-घण-मुक्कं उ कर्म समूह से मुक्त

कम्म उ कर्म, घण उ समूह से, **मुक्कं उ** मुक्त

विसहर-विस-निन्नासं उ विषधर झ्सर्पट के विष को नाश करने वाले

विसहर उ सर्प के, **विस उ** विष को, **निन्नासं उ** नाश करने वाले

मंगल-कल्लाण-आवासं उ मंगल और कल्याण के गृह रूप

मंगल उ मंगल, **कल्लाण उ** कल्याण के, **आवासं उ** गृह रूप

२.**विसहर-फुलिंग-मंतं उ विसहर फुलिंग** मंत्र को झ्सर्पादि के विष एवं अग्नि आदि का निवारण करने वाला मंत्रट

विसहर-फुलिंग उ विसहर फुलिंग, मंतं उ मंत्र को

कंठे धारेइ जो सया मणुओ उ जो मनुष्य सदा कंठ में धारण करता है / जो मनुष्य सदा स्मरण करता है

कंठे उ कंठ में, **धारेइ उ** धारण करता है, **जो उ** जो, **सया उ** सदा, **मणुओ उ** मनुष्य

तस्स गह-रोग-मारी दुट्ठ-जरा उ उसके ग्रह दोष, महारोग, महामारी, विषम ज्वर

uvasagga = disturbances, **haram** = the eliminator of

pāsam = along with **pārśva yakṣa**

pāsam vandāmi = i am obeisancing to **śrī pārśvanātha bhagavāna**

pāsam = to **śrī pārśvanātha bhagavāna, vandāmi** = i am obeisancing

kamma-ghaṇa-mukkam = free from the mass of **karma**s

kamma = of **karma**s, **ghaṇa** = from the mass, **mukkam** = free

visahara-visa-ninnāsam = the destroyer of snake's poison

visahara = of snake's, **visa** = poison, **ninnāsam** = the destroyer

maṅgala-kallāṇa-āvāsam = like an abode of auspiciousness and prosperity

maṅgala = of auspiciousness, **kallāṇa** = prosperity, **āvāsam** = like an abode

2.**visahara-phuliṅga-mantam** = to the hymn **visahara phuliṅga** [hymn eradicating the poison of snakes etc. and fire etc.]

visahara-phuliṅga = visahara phuliṅga, mantam = to the hymn

kaṇṭhe dhārei jo sayā maṇuo = the man who holds always on the tip of his tongue / the man who always remembers

kaṇṭhe = on the tip of his tongue, **dhārei** = holds, **jo** = who, **sayā** = always, **maṇuo** = the man

tassa gaha-roga-mārī duṭṭha-jarā = his planetary misfortunes, fatal diseases,

तस्स उ उसके, **गह उ** ग्रह दोष, **रोग उ** महारोग, **मारी उ** महामारी, **दुट्ठ उ** विषम, **जरा उ** ज्वर

जंति उवसामं उ शांत हो जाते हैं

जंति उ हो जाते हैं, **उवसामं उ** शांत

३.चिट्ठउ दूरे मंतो उ मंत्र तो दूर रहे

चिट्ठउ उ रहे, **दूरे उ** दूर, **मंतो उ** मंत्र

तुज्झ पणामो वि बहु-फलो होइ उ आपको किया हुआ प्रणाम भी बहुत फल देने वाला है

तुज्झ उ आपको किया हुआ, **पणामो उ** प्रणाम, **वि उ** भी, **बहु उ** बहुत, **फलो उ** फल देने वाला, **होइ उ** है

नर तिरिएसु वि जीवा उ मनुष्य और तिर्यंच गति में भी जीव

नर उ मनुष्य, **तिरिएसु उ** तिर्यंच गति में, **जीवा उ** जीव

पावंति न दुक्ख-दोगच्चं उ दुःख और दरिद्रता को प्राप्त नहीं करते हैं

पावंति उ प्राप्त करते हैं, **न उ** नहीं, **दुक्ख उ** दुःख, **दोगच्चं उ** दरिद्रता को

४.तुह सम्मत्ते लद्धे उ आपके सम्यक्त्व की प्राप्ति होने पर

तुह उ आपके, **सम्मत्ते उ** सम्यक्त्व की, **लद्धे उ** प्राप्ति होने पर

चिंतामणि-कप्प-पायव-ब्भहिए उ चिंतामणि रत्न और कल्पवृक्ष से भी

epidemics, deadly fevers

tassa = his, **gaha** = planetary misfortunes, **roga** = fatal diseases, **mārī** = epidemics, **duṭṭha** = deadly, **jarā** = fevers

janti uvasāmam = are pacified

janti = are, **uvasāmam** = pacified

3.ciṭṭhau dūre manto = hymn be apart

ciṭṭhau = be, **dūre** = apart, **manto** = hymn

tujjha paṇāmo vi bahu-phalo hoi = even an obeisance offered to you will result too many fruits

tujjha = offered to you, **paṇāmo** = an obeisance, **vi** = even, **bahu** = too many, **phalo** = result fruits, **hoi** = will

nara tiriesu vi jīvā = living beings even in the form of human beings and animals

nara = human beings, **tiriesu** = animals, **jīvā** = living beings

pāvanti na dukkha-dogaccam = will not suffer from agony and poverty

pāvanti = suffer from, **na** = will not, **dukkha** = from agony, **dogaccam** = poverty

4.tuha sammatte laddhe = by earning your right faith

अधिक झ्शक्तिशालीट

चिंतामणि उ चिंतामणि रत्न, **कप्प उ** कल्प, **पायव उ** वृक्ष से भी, **ब्भहिए उ** अधिक शक्तिशाली

पावंति अविग्घेणं जीवा अयरामरं ठाणं उ जीव सरलता से अजरामर स्थान झ्वृद्धावस्था और मृत्यु से रहित स्थान / मोक्षपदट को प्राप्त करते हैं

अविग्घेणं उ सरलता से, **अयर उ** अजर, **अमरं उ** अमर, **ठाणं उ** स्थान को

५.इअ उ इस प्रकार

संथुओ उ आपकी स्तुति की है

महायस! उ हे महायशस्विन्!

भत्तिब्भर-निब्भरेण हिअएण उ भक्ति से भरपूर हृदय से

भत्तिब्भर उ भक्ति से, **निब्भरेण उ** भरपूर, **हिअएण उ** हृदय से

ता देव! उ इसलिये हे देव!

ता उ इसलिये, **देव! उ** हे देव!

दिज्ज बोहिं भवे भवे उ भवो भव बोधि झ्सम्यक्त्वट को प्रदान कीजीए

दिज्ज उ प्रदान कीजीए, **बोहिं उ** बोधि को, **भवे भवे उ** भवो भव

tuha = your, **sammatte** = right faith, **laddhe** = by earning

cintāmaṇi-kappa-pāyava-bbhahie = more effective than astounding heavenly jewel and astounding heavenly tree

cintāmaṇi = astounding heavenly jewel, **kappa** = astounding heavenly, **pāyava** = tree, **bbhahie** = more effective than

pāvanti aviggheṇam jīvā ayarāmaram ṭhāṇam = a living being easily attains the place of undecayedness and immortality [place free from old age and death / state of salvation]

pāvanti = attains, **aviggheṇam** = easily, **ayara** = undecayedness, **amaram** = immortality, **ṭhāṇam** = the place of

5.ia = in this way / thus

santhuo = i have eulogized you

mahāyasa! = oh greatly renowned

bhattibbhara-nibbhareṇa hiaeṇa = with a heart full of devotion

bhattibbhara = of devotion, **nibbhareṇa** = full, **hiaeṇa** = with a heart

tā deva! = therefore oh god!

tā = therefore, **deva!** = oh god!

dijja bohim bhave bhave = bestow the seed of attaining perfect knowledge

पास! जिण-चंद! उ जिनेश्वरों में चन्द्र समान हे **श्री पार्श्वनाथ!**

पास! उ हे **श्री पार्श्वनाथ!, जिण उ जिनेश्वरों** में, **चंद! उ** चन्द्र समान

गाथार्थ :–

उपद्रवों को दूर करने वाले **पार्श्व यक्ष** सहित, **कर्म** समूह से मुक्त, सर्प के विष को नाश करने वाले, मंगल और कल्याण के गृह रूप **श्री पार्श्वनाथ भगवान** को मैं वंदन करता हूँ. .....१.

जो मनुष्य **विसहर फुलिंग** मंत्र को नित्य स्मरण करता है, उसके ग्रह दोष, महारोग, महामारी और विषम ज्वर शांत हो जाते हैं. .....२.

मंत्र तो दूर रहे, आपको किया हुआ प्रणाम भी बहुत फल देने वाला है. मनुष्य और तिर्यंच गति में भी जीव दुःख और दरिद्रता को प्राप्त नहीं करते हैं.....३.

चिंतामणि रत्न और कल्प वृक्ष से भी अधिक शक्तिशाली आपके सम्यक्त्व की प्राप्ति होने पर जीव सरलता से अजरामर झ्मुक्तिट पद को प्राप्त करते हैं.....४.

हे महायशस्विन्! मैंने इस प्रकार भक्ति से भरपूर हृदय से आपकी स्तुति की है. इसलिये हे देव! **जिनेश्वरों** में चंद्र समान हे **श्री पार्श्वनाथ!** भवो भव [right faith] in every cycle of birth and rebirth

dijja = bestow, **bohim** = the seed of attaining perfect knowledge, **bhave bhave** = in every cycle of birth and rebirth

pāsa! jiṇa-canda! = oh **śrī pārśvanātha**! like the moon among **jineśvara**s

pāsa! = oh **śrī pārśvanātha**!, **jiṇa** = among **jineśvara**s, **canda!** = like the moon

Stanzaic meaning :–

I am obeisancing to **śrī pārśvanātha bhagavāna** along with **pārśva yakṣa**, the eliminator of disturbances free from the mass of **karma**s, destroyer of snake's poison, like an abode of auspiciousness and prosperity. .....1.

The man who always remembers the hymn of **visahara phuliṅga**, his planetary misfortunes, fatal diseases, epidemics and deadly fever are pecified. .....2.

Hymn be apart, even an obeisance offered to you will result too many fruits. Living beings even in the form of human beings and animals will not suffer from agony and poverty. .....3.

By earning your right faith more effective than the most precious heavenly jewel and miraculous heavenly tree, the living being easily attains the place of

बोधि को प्रदान कीजिए. ..... ५.

विशेषार्थ :-

उपसर्ग उ देव, मनुष्य या तिर्यंच कृत उपद्रव.

कल्याण उ संपत्ति का उत्कर्ष या आरोग्य और सुख को लानेवाला.

मंत्र उ मन का रक्षण करने वाला और गुप्त रूप से कहा जाने वाला वर्ण या सूत्र.

दुःख उ शारीरिक और मानसिक पीड़ा.

सम्यक्त्व उ मिथ्यात्व मोहनीय कर्म के क्षयोपशम, उपशम या क्षय से आत्मा में उत्पन्न होने वाला **सुदेव-सुगुरु-सुधर्म** के प्रति शुद्ध श्रद्धा का विशिष्ट गुण.

सुदेव उ अठारह दोषों से रहित परम ज्ञानी, **वीतराग**, **अरिहंत भगवान इत्तीर्थंकरट** तथा आठों **कर्मों** से रहित **सिद्ध भगवंत**.

सुगुरु उ पंच महाव्रत धारी **साधु**.

सुधर्म उ वीतराग केवली भगवंत द्वारा प्ररूपित शुद्ध, सत्य **स्याद्वादमय**

undecayedness and immortality [salvation]. .....4.

Oh greatly renowned! in this way, I have eulogized you with a heart full of devotion. Therefore oh god! oh **śrī pārśvanātha**!, like the moon among **jineśvara**s, bestow upon me the seed of attaining perfect knowledge in every cycle of birth and rebirth. 5.

Specific meaning :–

upasarga = Calamities created by heavenly beings, human beings or animal beings.

kalyāṇa = Prosperity of wealth or which brings health and peace.

mantra = Letter or aphorism protecting the mind and being recited secretly.

duḥkha = Physical and mental agony.

samyaktva = A special quality of pure faith towards **sudeva, suguru** and **sudharma** appearing in the soul by partial mitigation and partial destruction, by mitigation or by destruction of **mithyātva mohanīya karma**.

sudeva = The omniscient, **vītarāga, arihanta bhagavāna [tīrthaṅkara]** without eighteen types of defects and **siddha bhagavanta** free from all the eight

झविविध दृष्टिकोणों से तर्क के अनुसारट और मोक्ष दिलाने वाला **धर्म**.

मिथ्यात्व मोहनीय कर्म उ वह **कर्म**, जो **धर्म** से विपरीत बुद्धि उत्पन्न करता है और शुद्ध **धर्म** के प्रति रुचि उत्पन्न होने नहीं देता है.

सूत्र परिचय :-

श्री भद्रबाहु स्वामी द्वारा रचित इस **सूत्र** में सर्व विघ्नों को दूर करने वाले **श्री पार्श्वनाथ प्रभु** के गुणों की स्तुति की गयी है.

karmas.

suguru = sādhu observing five great vows

sudharma = dharma which is perfect, true, **syādvādamaya** [logical in various point of views], results in salvation and is revealed by **vītarāga kevalī bhagavanta**.

mithyātva mohanīya karma = That **karma** which produces perception against the perfect / true **dharma** [i.e. delusion] and do not allows to create desire for perfect **dharma**.

Introduction of the sūtra :-

In this **sūtra** composed by **śrī bhadrabāhu svāmī**, the eulogy of the qualities of lord **śrī pārśvanātha prabhu**, the remover of all impediments is being done.

१८. जय वीयराय! सूत्र

जय वीयराय! जग-गुरु!, होउ ममं तुह प्पभावओ भयवं!.
भव-निव्वेओ मग्गाणुसारिआ इट्ठफल-सिद्धी. ..... .१.
लोग-विरुद्ध-च्चाओ गुरु-जण-पूआ परत्थ-करणं च.
सुह-गुरु-जोगो तव्वयण-सेवणा आ-भवमखंडा. ..... .२.
वारिज्जइ जइ वि नियाण-बंधणं वीयराय! तुह समये.
तह वि मम हुज्ज सेवा, भवे भवे तुम्ह चलणाणं. ... .३.
दुक्ख-क्खओ कम्म-क्खओ,
समाहि-मरणं च बोहि-लाभो अ.
संपज्जउ मह एअं, तुह नाह! पणाम-करणेणं. ..... .४.
सर्व-मंगल-मांगल्यं, सर्व-कल्याण-कारणम्.
प्रधानं सर्व-धर्माणां, जैनं जयति शासनम्. ..... .५.

शब्दार्थ :-

१.जय वीयराय! उ हे वीतराग प्रभु! आपकी जय हो,

18. jaya vīyarāya! sūtra

jaya vīyarāya! jaga-guru!, hou mamam tuha ppabhāvao bhayavaṃ!.
bhava-nivveo maggāṇusāriā iṭṭhaphala-siddhī. ..... .1.
loga-viruddha-ccāo guru-jaṇa-pūā parattha-karaṇam ca.
suha-guru-jogo tavvayaṇa-sevaṇā ā-bhavamakhaṇḍā. ..... .2.
vārijjai jai vi niyāṇa-baṇdhaṇam vīyarāya! tuha samaye.
taha vi mama hujja sevā, bhave bhave tumha calaṇāṇam. .. .3.
dukkha-kkhao kamma-kkhao,
samāhi-maraṇam ca bohi-lābho a.
sampajjau maha eam, tuha nāha! paṇāma-karaṇeṇam. ..... .4.
sarva-maṅgala-māṅgalyam, sarva-kalyāṇa-kāraṇam.
pradhānam sarva-dharmāṇām, jainam jayati śāsanam. ..... .5.

जय उ आपकी जय हो, **वीयराय! उ** हे **वीतराग** प्रभु!
जग-गुरु! उ हे जगद् गुरु!
जग उ जगद्, **गुरु! उ** हे गुरु!
होउ ममं उ मुझे हो
होउ उ हो, **ममं उ** मुझे
तुह प्पभावओ भयवं! उ हे **भगवन्!** आपके प्रभाव से
तुह उ आपके, **प्पभावओ उ** प्रभाव से, **भयवं! उ** हे **भगवन्!**
भव-निव्वेओ उ भव निर्वेद झ्संसार के प्रति वैराग्यट
भव उ भव, **निव्वेओ उ** निर्वेद
मग्गाणुसारिआ उ झ्मोक्षट मार्ग के अनुसार प्रवृत्ति

मग्ग उ मार्ग के, **अणुसारिआ उ** अनुसार
इट्ठ-फल सिद्धी उ झ्मोक्ष मार्ग में गमन करते समय आनेवाली भौतिक कठिनाई आदि को दूर करने रूपट इष्ट फल की सिद्धि
इट्ठ उ इष्ट, **फल उ** फल की, **सिद्धी उ** सिद्धी
२.लोग-विरुद्ध-च्चाओ उ लोक विरुद्ध प्रवृत्ति का त्याग
लोग उ लोग, **विरुद्ध उ** विरुद्ध प्रवृत्ति का, **च्चाओ उ** त्याग
गुरु-जण-पूआ उ गुरुजनों के प्रति सन्मान

Literal meaning :–

1.jaya vīyarāya! = oh lord **vītarāga**! be your victory
jaya = be your victory, **vīyarāya! =** oh lord **vītarāga**!
jaga-guru! = oh preceptor of the world!
jaga = of the world!, **guru! =** oh preceptor
hou mamam = be to me
hou = be, **mamam =** to me
tuha ppabhāvao bhayavam! = oh **bhagavan**! by your grace
tuha = your, **ppabhāvao =** by grace, **bhayavam!=** oh **bhagavan**!
bhava-nivveo = detachment towards worldly objects
bhava = towards worldly objects, **nivveo =** detachment
maggāṇusāriā = the activity of moving according to the path [on the path of salvation]
magga = to the path, **aṇusāriā =** according
iṭṭha-phala siddhī = attainment of desired achievements [in the form of warding off physical impediments coming while moving on the path of salvation]
iṭṭha = of desired, **phala =** achievements, **siddhī =** attainment
2.loga-viruddha-ccāo = renunciation of activities against public interest

गुरु-जण उ गुरुजनों के प्रति, **पूआ उ** सन्मान
परत्थ-करणं च उ और परोपकार की प्रवृत्ति
परत्थ उ परोपकार की, **करणं उ** प्रवृत्ति, **च उ** और
सुह-गुरु-जोगो उ सद्गुरु का योग
सुह उ सद्, **गुरु उ** गुरु का, **जोगो उ** योग
तव्वयण-सेवणा उ उनकी आज्ञा के पालन में प्रवृत्ति
तव्वयण उ उनकी आज्ञा के, **सेवणा उ** पालन की प्रवृत्ति
आ-भवमखंडा उ पूरी भव परंपरा में अखंडित रूप से
आ-भवं उ पूरी भव परंपरा में, **अखंडा उ** अखंडित रूप से

३.वारिज्जइ जइ वि नियाण बंधणं उ यद्यपि निदान बंधन का निषेध किया जाता है
वारिज्जइ उ निषेध किया जाता है, **जइ उ** यदि, **वि उ** अपि, **नियाण उ** निदान, **बंधणं उ** बंधन का
वीयराय! तुह समये उ हे **वीतराग!** आपके शास्त्र में
वीयराय! उ हे **वीतराग!, तुह उ** आपके, **समये उ** शास्त्र में
तह वि मम हुज्ज सेवा भवे भवे तुम्ह चलणाणं उ तथापि आपके चरणों की सेवा मुझे भवों-भव झ्मोक्ष प्राप्त होने तकट प्राप्त हो

loga = public interest, **viruddha** = of activities against, **ccāo** = renunciation
guru-jaṇa-pūā = respect towards elders
guru-jaṇa = towards elders, **pūā** = respect
parattha-karaṇam ca = and benevolent activities
parattha = benevolent, **karaṇam** = activities, **ca** = and
suha-guru-jogo = contacts with worthy preceptors
suha = worthy, **guru** = preceptors, **jogo** = contacts with
tavvayaṇa-sevaṇā = activeness in carrying out their instructions / directives
tavvayaṇa = their instructions, **sevaṇā** = activeness in carrying out
ā-bhavamakhaṇḍā = without interruptions throughout the cycle of birth and rebirth
ā-bhavam = throughout the cycle of birth and rebirth, **akhaṇḍā** = without interruptions
3.vārijjai jai vi niyāṇa baṇdhaṇam = though determination of fruits of religious rites is strictly forbidden
vārijjai = is strictly forbidden, **jai vi** = though, **niyāṇa** = fruits of religious rites, **baṇdhaṇam** = determination of
vīyarāya! tuha samaye = oh **vītarāga**! in your teachings
vīyarāya! = oh **vītarāga**!, **tuha** = in your, **samaye** = teachings

तह उ तथा, **वि उ** अपि, **मम उ** मुझे, **हुज्ज उ** प्राप्त हो, **सेवा उ** सेवा, **भवे भवे उ** भवों भव, **तुम्ह उ** आपके, **चलणाणं उ** चरणों की

४.दुक्ख-क्खओ कम्म-क्खओ उ दुःख का नाश, **कर्म** का नाश

दुक्ख उ दुक्ख का, **क्खओ उ** नाश, **कम्म उ कर्म** का,

समाहि-मरणं च उ और समाधि मरण

समाहि उ समाधि, **मरणं उ** मरण

बोहि-लाभो अ उ और **बोधि** लाभ

बोहि उ बोधि, लाभो उ लाभ, **अ उ** और

संपज्जउ मह एअं उ यह मुझे प्राप्त हो

संपज्जउ उ प्राप्त हो, **मह उ** मुझे, **एअं उ** यह

तुह नाह! पणाम करणेणं उ हे नाथ! आपको प्रणाम करने से

तुह उ आपको, **नाह! उ** हे नाथ!, **पणाम उ** प्रणाम, **करणेणं उ** करने से

taha vi mama hujja sevā bhave bhave tumha calaṇāṇam = even then let me have the dedicated service of your feet throughout the cycles of birth and rebirth [till salvation in attained]

taha = even, **vi** = then, **mama** = me, **hujja** = let have, **sevā** = the dedicated service, **bhave bhave** = throughout the cycles of birth and rebirth, **tumha** = of your, **calaṇāṇam** = feet

4.dukkha-kkhao kamma-kkhao = destruction of sufferings and annihilation of **karma**s

dukkha = of sufferings, **kkhao** = destruction, **kamma** = of **karma**s, **kkhao** = annihilation

samāhi-maraṇam ca = and ecstatic death [death in the state of quietness and peacefulness]

samāhi = ecstatic, **maraṇam** = death

bohi-lābho a = and attainment of **bodhi** [right faith]

bohi = of **bodha, lābho** = attainment, **a** = and

sampajjau maha eam = let me obtain this

sampajjau = let obtain, **maha** = me, **eam** = this

tuha nāha! paṇāma karaṇeṇam = oh master! by making obeisance to you

५.सर्व-मंगल-मांगल्यं उ सर्व मंगलों में मंगल रूप

सर्व उ सर्व, **मंगल उ** मंगलों में, **मांगल्यं उ** मंगल रूप

सर्व-कल्याण-कारणम् उ सर्व कल्याणों का कारण

कल्याण उ कल्याणों का, **कारणम् उ** कारण

प्रधानं सर्व धर्माणां उ सर्व धर्मों में श्रेष्ठ

प्रधानं उ श्रेष्ठ, **धर्माणां उ** धर्मों में

जैनं जयति शासनम् उ जैन शासन जयवंत है

जैनं उ जैन, **जयति उ** जयवंत है, **शासनम् उ** शासन

गाथार्थ :-

हे **वीतराग** प्रभु! हे जगद् गुरु! आपकी जय हो! हे **भगवन्!** आपके प्रभाव से संसार के प्रति वैराग्य, झ्मोक्षट मार्ग के अनुसार प्रवृत्ति, इष्ट फल की सिद्धि... झ्मुझे प्राप्त होट. .....१.

...लोक विरुद्ध प्रवृत्ति का त्याग, गुरुजनों के प्रति सन्मान, परोपकार प्रवृत्ति, सद्गुरुओं का योग और उनकी आज्ञा के पालन की प्रवृत्ति पूरी भव परंपरा में अखंडित रूप से मुझे प्राप्त हो. .....२.

हे **वीतराग!** आपके शास्त्र में यद्यपि निदान बंधन निषेध किया गया है,

tuha = to you, **nāha!** = oh master!, **paṇāma** = obeisance, **karaṇeṇam** = by making

5.sarva-maṅgala-māṅgalyam = the most auspicious amongst all auspices / auspicious things

sarva = all, **maṅgala** = amongst auspicious, **māṅgalyam** = the most auspicious

sarva-kalyāṇa-kāraṇam = the supreme cause of all prosperity

kalyāṇa = of prosperity, **kāraṇam** = the supreme cause

pradhānam sarva dharmāṇām = the best among all religious pursuits

pradhānam = the best, **dharmāṇām** = among all religious pursuits

jainam jayati śāsanam = jainism is victorious

jainam śāsanam = jainism, **jayati** = is victorious

Stanzaic meaning :-

Oh lord **vītarāga!** oh preceptor of the world! be your victory. Oh **bhagavan**! by your grace let me earn detachment towards worldly objects, activity of moving on the path of salvation, attainment of desired achievements... ..... .1.

...renounciation of activities against public interest, respect towards elders, benevolent activities, contacts with worthy preceptors, activeness in carrying out their instructions

तथापि भवो भव मुझे आपकी चरण सेवा प्राप्त हो. .....३.

हे नाथ! आपको प्रणाम करने से दुःख का नाश, **कर्म** का नाश, समाधि मरण और **बोधि** लाभ मुझे प्राप्त हो. .....४.

सर्व मंगलों में मंगल, सर्व कल्याणों का कारण, सर्व धर्मों में श्रेष्ठ जैन शासन जयवंत है. .....५.

विशेषार्थ :-

वीतराग उ राग-द्वेष रहित महापुरुष.

गुरुजन उ माता, पिता, विद्यागुरु, धर्मगुरु, वृद्ध आदि हितेच्छु.

निदान उ धर्म क्रिया के फल के रूप में सांसारिक सुख आदि का संकल्प करना.

तीन प्रकार के निदान :-

१. **इहलोक निदान-** इसी भव में सौभाग्य, राज्य, बल, सत्ता, रूप आदि के लिये निदान करना.

२. **परलोक निदान-** अगले भव में राजा, चक्रवर्ती, देव, **इंद्र** आदि के रूप में उत्पन्न होने के लिये निदान करना.

३. **काम भोग निदान-** काम भोग के लिये निदान करना.

throughout the cycles of birth and rebirth without interruptions. ..... 2.

Oh **vītarāga**! though determination of fruits of religious rites is forbidden in your teachings, even then let me have dedicated service of your revered feet throughout the cycles of birth and rebirths. .....3.

Oh master! let me obtain the destruction of sufferings, annihilation of **karma**s, ecstatic death and attainment of **bodhi** by making obeisance to you. .....4.

Jainism, the most auspicious amongst all auspices, the supreme cause of all prosperity, the best among all religions is victorious. .....5.

Specific meaning :-

vītarāga = Great man devoid of all attachments and hatred.

gurujana [elders] = Well-wishers like mother, father, teacher, preceptor, elder.

nidāna = To determine worldly pleasures etc. as a result of performance of religious rites.

Three types of nidāna :-

1. **iha loka nidāna-** To determine for fortune, kingdom, strength, power, charming appearance etc. in this life itself.
2. **paraloka nidāna-** To determine to have rebirth as a king, emperor, god, indra

समाधि मरण उ शांति पूर्वक मृत्यु / मृत्यु के समय सर्व सांसारिक वासनाओं का त्याग करना, पाप कार्यों की निंदा करना, सर्व जीवों से क्षमापना करना, शुभ भावनाओं में **श्री अरिहंत** आदि का शरण स्वीकार करना, **नमस्कार महामंत्र** का स्मरण करना एवं **अनशन** व्रत स्वीकार कर आत्मा में निर्मल भाव रखना.

वैराग्य उ संसार के भोग-विलासों को निःसार समझ कर आत्माभिमुख होकर जीवन सुधार या **चारित्र** ग्रहण के लिये उद्यम करना.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** द्वारा प्रभु से आत्म कल्याण के लिये निर्दोष एवं उत्तम प्रार्थनायें की गयी हैं.

etc. in next life.

3. kāma bhoga nidāna– To determine for sexual pleasures.

samādhi maraṇa [ecstatic death] = Peaceful death / To abandon all worldly desires at the time of death, to censure all sinful deeds, to beg pardon from all living beings, to seek shelter [protection] of **śrī arihanta** etc. with good thoughts, to recite **navakāra mahāmantra** constantly and to keep the soul in sacred thoughts accepting the vow of **anaśana** [to fast giving up all types of nourishment with food, drinks and medicines].

vairāgya = To make efforts for ennobling the life or to accept **cāritra** [give up worldly life] becoming engrossed in spiritual uplift considering all worldly pleasures to be meaningless.

Introduction of the sūtra :–

By this **sūtra**, the flawless and superior prayers have been done with the lord for spiritual benefits.

सूत्र

१९. अरिहंत-चेइयाणं सूत्र

अरिहंत-चेइयाणं, करेमि काउस्सग्गं. ..... .१.
वंदण-वत्तिआए, पूअण-वत्तिआए, सक्कार-वत्तिआए,
सम्माण-वत्तिआए, बोहि-लाभ-वत्तिआए,
निरुवसग्ग-वत्तिआए. ..... .२.
सद्धाए, मेहाए, धिईए, धारणाए, अणुप्पेहाए
वड्ढमाणीए, ठामि काउस्सग्गं. ..... .३.
अन्नत्थ... इ्सूत्र-७ट. ..... .४.

शब्दार्थ :-

१.**अरिहंत-चेइयाणं उ अरिहंत भगवान** के चैत्यों की इ्आराधना के लियेट
अरिहंत उ अरिहंत भगवान के, **चेइयाणं उ** चैत्यों की
करेमि काउस्सग्गं उ मैं **कायोत्सर्ग** करना चाहता हूँ
करेमि उ मैं करना चाहता हूँ, **काउस्सग्गं उ कायोत्सर्ग**
२.**वंदण-वत्तिआए उ** वंदन करने के निमित्त से

19. arihanta-ceiyāṇam sūtra

arihanta-ceiyāṇam, karemi kāussaggam. ..... .1.
vandaṇa-vattiāe, pūaṇa-vattiāe, sakkāra-vattiāe,
sammāṇa-vattiāe, bohi-lābha-vattiāe,
niruvasagga-vattiāe. ..... .2.
saddhāe, mehāe, dhiīe, dhāraṇāe, aṇuppehāe
vaḍḍhamāṇīe, ṭhāmi kāussaggam. ..... .3.
annattha... [sūtra-7]. ..... .4.

Literal meaning :—

1.**arihanta-ceiyāṇam** = [for the adoration] of idols of **arihanta bhagavāna**

arihanta = of **arihanta bhagavāna, ceiyāṇam** = of idols
karemi kāussaggam = i wish to perform **kāyotsarga**
karemi = i wish to perform, **kāussaggam = kāyotsarga**
2.**vandaṇa-vattiāe** = in order to perform obeisance

सूत्र	
वंदण उ वंदन करने के, **वत्तिआए उ** निमित्त से	**vandaṇa** = to perform obeisance, **vattiāe** = in order
पूअण-वत्तिआए उ पूजन करने के निमित्त से	**pūaṇa-vattiāe** = in order to worship
पूअण उ पूजन करने के,	**pūaṇa** = to worship
सक्कार-वत्तिआए उ सत्कार करने के निमित्त से	**sakkāra-vattiāe** = in order to greet
सक्कार उ सत्कार करने के	**sakkāra** = to greet
सम्माण-वत्तिआए उ सन्मान करने के निमित्त से	**sammāṇa-vattiāe** = in order to offer respects
सम्माण उ सन्मान करने के,	**sammāṇa** = to offer respects
बोहि-लाभ-वत्तिआए उ बोधि लाभ के निमित्त से	**bohi-lābha-vattiāe** = in order to attain **bodhi**
बोहि उ बोधि, लाभ उ लाभ के,	**bohi** = **bodhi, lābha** = to attain
निरुवसग्ग-वत्तिआए उ निरुपसर्ग स्थिति झ्मोक्षट प्राप्त करने के निमत्त से	**niruvasagga-vattiāe** = in order to attain trouble free state [salvation]
निरुवसग्ग उ निरुपसर्ग स्थिति प्राप्त करने के	**niruvasagga** = to attain trouble free state,
३.सद्धाए उ श्रद्धा / विश्वास से	**3.saddhāe** = with faith
मेहाए उ मेधा / बुद्धि से	**mehāe** = with intellect
धिईए उ धृति से / चित्त की स्वस्थता / मन की एकाग्रता से	**dhiīe** = with peaceful mind / concentration of mind
धारणाए उ धारणा से / अविस्मृति से	**dhāraṇāe** = with retention / without forgetting
अणुप्पेहाए वड्ढमाणीए उ वृद्धि पाती हुई अनुप्रेक्षा / चिंतन से	**aṇuppehāe vaḍḍhamāṇīe** = with increasing thoughts / concentration [by thinking again and again]
अणुप्पेहाए उ अनुप्रेक्षा से, **वड्ढमाणीए उ** वृद्धि पाती हुई	**aṇuppehāe** = with thoughts, **vaḍḍhamāṇīe** = increasing

सूत्र

ठामि काउस्सग्गं उ मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ

ठामि उ मैं करता हूँ, **काउस्सग्गं उ कायोत्सर्ग**

गाथार्थ :-

अरिहंत भगवान की प्रतिमाओं की आराधना के लिये मैं **कायोत्सर्ग** करना चाहता हूँ. .....१.

वंदन करने के निमित्त से, पूजन करने के निमित्त से, सत्कार करने के निमित्त से, सन्मान करने के निमित्त से, **बोधि** लाभ के निमित्त से, मोक्ष प्राप्त करने के निमित्त से,... .....२.

...श्रद्धा से, बुद्धि से, धृति से, धारणा से और बढ़ती हुई अनुप्रेक्षा से मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ.....३.

विशेषार्थ :-

तीन प्रकार की पूजा :-

१. **अंग पूजा :-** जल, चंदन, पुष्प आदि से **अरिहंत भगवान** के अंगों की पूजा करना.

२. **अग्र पूजा :- अक्षत** झ्चावलट, फल, **नैवेद्य** झ्मिश्री, मिठाई आदिट, धूप, दीप आदि से **अरिहंत भगवान** के समक्ष पूजा करना.

३. **भाव पूजा :- अरिहंत भगवान** की स्तुति, प्रार्थना, गुणगान, ध्यान

ṭhāmi kāussaggam = i perform the **kāyotsarga**

ṭhāmi = i perform, **kāussaggam** = the **kāyotsarga**

Stanzaic meaning :-

I wish to perform the **kāyotsarga** for the adoration of idols of **arihanta bhagavāna**. 1.

[I perform the **kāyotsarga**...stanza 3] in order to obeisance, in order to worship, in order to greet, in order to offer respects, in order to attain **bodhi** [right faith], in order to attain salvation,... .....2.

...with faith, with intellect, with a peaceful mind, without forgetting and with increasing thoughts. .....3.

Specific meaning :-

Three types of worship :-

1. **aṅga pūjā [worship of the body] :-** To worship the body of **arihanta bhagavāna** with water, sandal, flower etc.
2. **agra pūjā [worship in front of the body] :-** To worship with **akṣata** [rice], fruits, **naivedya** [sugar candy, sweets etc.], incense, lamp etc. before **arihanta bhagavāna**.

सूत्र आदि करना.

इ्इस **सूत्र** में **पूजन** शब्द का उपयोग **भाव पूजा** के लिए किया गया हैट

चैत्य उ जिन मंदिर या **जिन** प्रतिमा.

बोधि उ अरिहंत प्रणीत **धर्म.**

निरुपसर्ग उ जन्म-जरा-मृत्यु के उपद्रव से रहित.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** में **जिन** प्रतिमाओं की आराधना के लिये **काउस्सग्ग** के समय की भावनाओं का वर्णन है.

3. bhāva pūjā [devotional worship] :– To worship **arihanta bhagavāna** with eulogy, prayer, panegyric [praise of virtues], meditation etc.

[In this **sūtra**, the word **pūjana** (worship) is used for **bhāva pūjā**.]

caitya = jina temple or **jina** idol.

bodhi = **dharma** revealed by the **arihanta**.

nirupasarga = Free from the troubles of birth, old age and death.

Introduction of the sūtra :—

In this **sūtra**, there is a description of the emotions during the **kāussagga** for adoration of **jina** idols.

२०. कल्लाण-कंदं स्तुति

कल्लाण-कंदं पढमं जिणिंदं,
संतिं तओ नेमि-जिणं मुणिंदं.
पासं पयासं सुगुणिक्क-ठाणं,
भत्तीइ वंदे सिरि-वद्धमाणं..१.
अपार-संसार-समुद्द-पारं, पत्ता सिवं दिंतु सुइक्क-सारं.
सव्वे जिणिंदा सुर-विंद-वंदा,
कल्लाण-वल्लीण विसाल-कंदा.
.२.
निव्वाण-मग्गे वर-जाण-कप्पं, पणासिया-सेस-कुवाइ-दप्पं.
मयं जिणाणं सरणं बुहाणं,
नमामि निच्चं तिजग-प्पहाणं.
.३.
कुंदिंदु-गोक्खीर-तुसार-वन्ना, सरोज-हत्था कमले निसन्ना.

20. kallāṇa-kandam stuti

kallāṇa-kandam paḍhamam jiṇindam,
santim tao nemi-jiṇam muṇindam.
pāsam payāsam suguṇikka-ṭhāṇam,
bhattīi vande siri-vaddhamāṇam.
.1.
apāra-sansāra-samudda-pāram, pattā sivam dintu suikka-sāram.
savve jiṇindā sura-vinda-vandā,
kallāṇa-vallīṇa visāla-kandā.
.2.
nivvāṇa-magge vara-jāṇa-kappam, paṇāsiyā-sesa-kuvāi-dappam.
mayam jiṇāṇam saraṇam buhāṇam,
namāmi niccam tijaga-ppahāṇam.
.3.

वाएसिरी पुत्थय-वग्ग-हत्था,
सुहाय सा अम्ह सया पसत्था.

.४.

शब्दार्थ :-

१.कल्लाण-कंदं उ कल्याण के मूल समान
कल्लाण उ कल्याण के, **कंदं उ** मूल समान
पढमं जिणिंदं उ प्रथम **जिनेश्वर श्री ऋषभदेवट** को
पढमं उ प्रथम, **जिणिंदं उ जिनेश्वर** को
संतिं तओ उ श्री शांतिनाथ को तथा
संतिं उ श्री शांतिनाथ को, **तओ उ** तथा
नेमि-जिणं मुणिंदं उ मुनियों के स्वामी **श्रीतीर्थंकरट श्री नेमिनाथ जिनेश्वर** को
नेमि उ श्री नेमिनाथ, जिणं उ जिनेश्वर को, **मुणिंदं उ मुनियों** के स्वामी
पासं पयासं सुगुणिक्क-ठाणं उ प्रकाश स्वरूप एवं सद्गुणों के स्थान रूप **श्री पार्श्वनाथ** को
पासं उ श्री पार्श्वनाथ को, **पयासं उ** प्रकाश स्वरूप, **सुगुणिक्क उ**

kundindu-gokkhīra-tusāra-vannā, saroja-hatthā kamale nisannā.
vāesirī putthaya-vagga-hatthā,
suhāya sā amha sayā pasatthā.

.4.

Literal meaning :–

1.kallāṇa-kandam = like the source of prosperity
kallāṇa = of prosperity, **kandam** = like the source
paḍhamam jiṇindam = to the first **jineśvara [śrī ṛṣabhadeva]**
paḍhamam = first, **jiṇindam** = to the **jineśvara**
santim tao = to **śrī śāntinātha** and
santim = to **śrī śāntinātha, tao** = and
nemi-jiṇam muṇindam = to **śrī nemināṭha jineśvara**, the lord of **munis [tīrthaṅkara]**
nemi = to **śrī nemināṭha, jiṇam = jineśvara, muṇindam** = the lord of **munis**
pāsam payāsam suguṇikka-ṭhāṇam = to **śrī pārśvanātha** like a form of illumination and an abode of noble virtues

सद्गुणों के, **ठाणं उ** स्थानरूप

भत्तीइ वंदे सिरि-वद्धमाणं उ श्री वर्धमान झ्महावीरट स्वामी को मैं भक्ति पूर्वक वंदन करता हूँ

भत्तीइ उ भक्ति पूर्वक, **वंदे उ** मैं वंदन करता हूँ, **सिरि-वद्धमाणं उ श्री वर्धमान स्वामी** को

२.अपार-संसार-समुद्द-पारं पत्ता उ पार बिना के संसार समुद्र के किनारे को प्राप्त किये हुए

अपार उ पार बिना के, **संसार उ** संसार, **समुद्द उ** समुद्र के, **पारं उ** किनारे को, **पत्ता उ** प्राप्त किये हुए

सिवं दिंतु सुइक्क-सारं उ शास्त्र के सार रूप शिव-सुख झ्मोक्षट को प्रदान करें

सिवं उ शिव-सुख को, **दिंतु उ** प्रदान करें, **सुइक्क उ** शास्त्र के, **सारं उ** सार रूप

सव्वे जिणिंदा सुर-विंद-वंदा उ देव समूह से वंदित सर्व **जिनेश्वर**

सव्वे उ सर्व, **जिणिंदा उ जिनेश्वर, सुर उ** देव, **विंद उ** समूह से, **वंदा उ** वंदित

कल्लाण-वल्लीण विसाल-कंदा उ कल्याण रूपी लता के विशाल मूल

pāsam = to **śrī pārśvanātha, payāsam** = like a form of illumination, **suguṇikka** = of noble virtues, **ṭhāṇam** = an abode

bhattīi vande siri-vaddhamāṇam = i obeisance devotionally to **śrī vardhamāna [mahāvīra] svāmī**

bhattīi = devotionally, **vande** = i obeisance, **siri-vaddhamāṇam** = to **śrī vardhamāna svāmī**

2.apāra-sansāra-samudda-pāram pattā = having crossed the banks of endless ocean of world / life [to overcome the cycle of birth and death]

apāra = of endless, **sansāra** = of world, **samudda** = ocean, **pāram** = the banks, **pattā** = having crossed

sivam dintu suikka-sāram = bestow the essence of scriptures in the form of pleasures of salvation

sivam = pleasures of salvation, **dintu** = bestow**, suikka** = of scriptures**, sāram** = the essence in the form of

savve jiṇindā sura-vinda-vandā = all **jineśvara**s obeisanced by the assembly of heavenly deities

savve = all, **jiṇindā** = **jineśvara**s, **sura** = heavenly deities, **vinda** = by the assembly of, **vandā** = obeisanced

समान

कल्लाण उ कल्याण रूपी, **वल्लीण उ** लता के, **विसाल उ** विशाल, **कंदा उ** मूल समान

३.निव्वाण-मग्गे वर-जाण कप्पं उ निर्वाण झ्मोक्षट मार्ग में श्रेष्ठ वाहन समान

निव्वाण उ निर्वाण, **मग्गे उ** मार्ग में, **वर उ** श्रेष्ठ, **जाण उ** वाहन, **कप्पं उ** समान

पणासिया-सेस-कुवाइ-दप्पं उ कुवादियों के अभिमान को पूर्णतया नष्ट करने वाले

पणासिया उ नष्ट करने वाले, **सेस उ** पूर्णतया, **कुवाइ उ** कुवादियों के, **दप्पं उ** अभिमान को

मयं जिणाणं उ जिनेश्वर द्वारा प्ररूपित मत को

मयं उ मत को, **जिणाणं उ जिनेश्वर** द्वारा प्ररूपित

सरणं बुहाणं उ विद्वानों को शरण रूप

सरणं उ शरण रूप, **बुहाणं उ** विद्वानों को

नमामि निच्चं उ मैं नित्य नमस्कार करता हूं

नमामि उ मैं नमस्कार करता हूं, **निच्चं उ** नित्य

तिजग-प्पहाणं उ तीनों लोक में श्रेष्ठ

kallāṇa-vallīṇa visāla-kandā = like the vast root of prosperity in the from of creepers

kallāṇa = prosperity in the from of, **vallīṇa** = of creepers, **visāla** = vast, **kandā** = like the root

3.nivvāṇa-magge vara-jāṇa kappam = like the best vehicle on the path of salvation

nivvāṇa = salvation, **magge** = on the path of, **vara** = the best, **jāṇa** = vehicle, **kappam** = like

paṇāsiyā-sesa-kuvāi-dappam = annihilator of pride of misguiding scholars [ill-discussers] completely

paṇāsiyā = annihilator, **sesa** = completely, **kuvāi** = of misguiding scholars, **dappam** = of pride

mayam jiṇāṇam = to the principles established by the **jineśvara**s

mayam = to the principles, **jiṇāṇam** = established by the **jineśvara**s

saraṇam buhāṇam = like the shelter for scholars

saraṇam = like the shelter, **buhāṇam** = for scholars

namāmi niccam = i always obeisance

namāmi = i obeisance, **niccam** = always

ति उ तीनों, **जग उ** लोक में, **प्पहाणं उ** श्रेष्ठ	**tijaga-ppahāṇam** = supreme in the three worlds **ti** = in the three, **jaga** = worlds, **ppahāṇaṃ** = supreme
४.कुंदिंदु-गोक्खीर-तुसार-वन्ना उ मचकुंद पुष्प, चंद्रमा, गाय के दूध और हिम जैसे झ्श्वेतट वर्ण वाली **कुंद उ** मचकुंद पुष्प, **इंदु उ** चंद्रमा, **गो उ** गायका, **क्खीर उ** दूध, **तुसार उ** हिम जैसे, **वन्ना उ** श्वेत वर्ण वाली	**4.kundindu-gokkhīra-tusāra-vannā** = having [white] colour like jasmine flower, full moon, cow's milk and ice **kunda** = like jasmine flower, **indu** = full moon, **go** = cow's, **kkhīra** = milk, **tusāra** = ice, **vannā** = having colour
सरोज-हत्था उ झ्एकट हाथ में कमल को धारण करने वाली **सरोज उ** कमल को झ्धारण करने वालीट, **हत्था उ** हाथ में	**saroja-hatthā** = holding lotus flower in [one] hand **saroja** = holding lotus flower, **hatthā** = in hand
कमले निसन्ना उ कमल पर बैठी हुई **कमले उ** कमल पर, **निसन्ना उ** बैठी हुई	**kamale nisannā** = sitting on lotus flower **kamale** = on lotus flower, **nisannā** = sitting
वाएसिरी उ वागीश्वरी झ्सरस्वतीट देवी झ्विद्या देवीट	**vāesirī = vāgīśvarī [sarasvatī] devī** [goddess of learning]
पुत्थय-वग्ग-हत्था उ झ्दूसरेट हाथ में पुस्तकों के समूह को झ्धारण करने वालीट **पुत्थय उ** पुस्तकों के, **वग्ग उ** समूह को	**putthaya-vagga-hatthā** = [holding] a collection of books in [other] hand **putthaya** = of books, **vagga** = collection
सुहाय उ सुख देनेवाली झ्होट	**suhāya** = be the bestower of happiness
सा उ वह	**sā** = that
अम्ह उ हमें	**amha** = upon us
सया उ सदा	

पसत्था उ प्रशस्ता झ्मशंसितट

गाथार्थ :-

कल्याण के मूल समान प्रथम **जिनेश्वर झ्श्री ऋषभदेवट, श्री शांतिनाथ, मुनियों** के स्वामी **श्री नेमिनाथ जिनेश्वर**, प्रकाश स्वरूप और सद्गुणों के स्थानरूप **श्री पार्श्वनाथ** एवं **श्री महावीर स्वामी** को मैं भक्ति पूर्वक वंदन करता हूँ. .....१.

पार विना के संसार समुद्र के किनारे को प्राप्त किये हुए, देव समूह से वंदित और कल्याण रूपी लता के विशाल कंद समान सर्व **जिनेश्वर** शास्त्र का साररूप शिव-सुख झ्हमेंट प्रदान करें. .....२.

निर्वाण मार्ग में श्रेष्ठ वाहन समान, कुवादियों के अभिमान को पूर्णतया नष्ट करने वाले, विद्वानों के शरण रूप और तीनों लोक में श्रेष्ठ **जिनेश्वर** द्वारा प्ररूपित मत को मैं नित्य नमस्कार करता हूँ. .....३.

मचकुंद पुष्प, चंद्रमा, गाय के दूध और हिम जैसे श्वेत वर्णवाली, झ्एकट हाथ में कमल को धारण करने वाली और कमल पर बैठी हुई तथा झ्दूसरेट हाथ में पुस्तकों के समूह को धारण करने वाली वह प्रशस्ता **सरस्वती** देवी हमें सदा सुख देने वाली हो. .....४.

sayā = always

pasatthā = praised

Stanzaic meaning :-

I obeisance devotionally to the first **jineśvara [śrī ṛṣabha deva]** like the source of prosperity, to **śrī śāntinātha**, to **śrī neminātha jineśvara**, the lord of **muni**s, to **śrī pārśvanātha** like a form of illumination and an abode of noble virtues and to **śrī mahāvīra svāmī**. .....1.

All the **jineśvara**s having crossed the banks of endless ocean of life, obeisanced by the assembly of heavenly deities and like the vast root of origin of prosperity in the form of creepers shall bestow the essence of all scriptures in the form of pleasures of salvation. .....2.

I always obeisance to the principles established by the **jineśvara**s like the best vehicle on the path of salvation, annihilator of pride of misguiding discussers completely, like the shelter to scholars and supreme in the three worlds. ....3.

That praised goddess **sarasvatī** having white colour like that of jasmine flower, full moon, cow's milk and ice; holding lotus flower in [one] hand, sitting on the lotus flower and holding a collection of books in [other] hand always be the

विशेषार्थ :-

कल्लाण-कंदं उ आत्मोद्धार करने में मुख्य कारण.
अपार उ अति दुर्गम / कठिनता से पार पाया जाने वाला.
श्रुत उ सुनने योग्य या सुना जा सकने वाला / सुनकर प्राप्त किया हुआ ज्ञान
निर्वाण उ मोक्ष / सर्व **कर्मों** से मुक्ति.
तीन लोक उ स्वर्ग, मृत्यु झ्मनुष्यट और पाताल लोक.

स्तुति उ गुणगान
१. **चैत्य-वंदन** की क्रिया में **कायोत्सर्ग** के बाद बोला जाने वाला एक श्लोक प्रमाण गुण-कीर्तनमय काव्य.
२. **देव-वंदन** की क्रिया में एक-एक श्लोक से चार बार बोले जाने वाला गुण-कीर्तनमय काव्य.
३. एक-एक श्लोक से किया जाने वाला गुण-कीर्तनमय काव्य.
स्तवन उ चैत्य-वंदन की क्रिया के मध्य भाग में बोला जाने वाला बहु श्लोक प्रमाण गुण-कीर्तनमय काव्य

bestower of happiness upon us. .....4.

Specific meaning :-

kallāṇa-kadam = The chief mean to attain spiritual progress / self elevation.
apāra = Very inaccessible / that which can be crossed with great difficulty.
śruta = Worth listening to or that which can be heard / knowledge attained by hearing.
nirvāṇa = Salvation / freedom from the bondage of all **karma**s.
tīna loka = Three worlds / world of heaven, world of death [human beings] and under world.
stuti = Eulogy
1. A poetic eulogy of one stanza [couplet] spoken after **kāyotsarga** in the rite of **caitya-vandana**.
2. Poetic eulogy of each stanza uttered four times in the rite of **deva-vandana**.
3. Poetic eulogy of each stanza uttered one by one.

stavana = An eulogy of many stanzas spoken in the middle of the rite of **caitya-vandana**.

Introduction of the sūtra :-

There is a glorification of **śrī ṛṣabhadeva, śāntināṭha, neminātha, pārśvanātha** and **mahāvīra svāmī** in the first stanza, of all the **jineśvara**s in the second stanza, of the **jina āgama** in the third stanza, and of the **śruta devatā** [goddess of scriptures] in the fourth stanza of this eulogy.

सूत्र परिचय :-

इस स्तुति की पहली गाथा में **श्री ऋषभदेव, शांतिनाथ, नेमिनाथ, पार्श्वनाथ** और **महावीर स्वामी** की, दूसरी गाथा में सर्व **जिनेश्वरों** की, तीसरी गाथा में **जिन आगम** की और चौथी गाथा में **श्रुत देवता** की स्तुति है.

21. saṉsāra-dāvā-nala stuti

saṉsāra-dāvā-nala-dāha-nīram, sammoha-dhūlī-haraṇe samīram.
māyā-rasā-dāraṇa-sāra-sīram,
namāmi vīram giri-sāra-dhīram.

.1.
bhāvā-vanāma-sura-dānava-mānavena,
cūlā-vilola-kamalā-vali-mālitāni.
sampūritā-bhinata-loka-samīhitāni,
kāmam namāmi jinarāja-padāni tāni.

.2.
bodhāgādham supada-padavī-nīra-pūrābhirāmam,
jīvā-hiṉsā-virala-laharī-saṅgamā-gāha-deham.
cūlā-velam guru-gama-maṇī-saṅkulam dūra-pāram,
sāram-vīrā-gama-jala-nidhim sādaram sādhu seve.

२१. संसार-दावा-नल स्तुति

संसार-दावा-नल-दाह-नीरं, संमोह-धूली-हरणे समीरं.
माया-रसा-दारण-सार-सीरं,
नमामि वीरं गिरि-सार-धीरं.

.१.

भावा-वनाम-सुर-दानव-मानवेन,
चूला-विलोल-कमला-वलि-मालितानि.
संपूरिता-भिनत-लोक-समीहितानि,
कामं नमामि जिनराज-पदानि तानि.

.२.

बोधागाधं सुपद-पदवी-नीर-पूराभिरामं,
जीवा-हिंसा-विरल-लहरी-संगमा-गाह-देहं.
चूला-वेलं गुरु-गम-मणी-संकुलं दूर-पारं,
सारं-वीरा-गम-जल-निधिं सादरं साधु सेवे..३.

.3.

āmūlā-lola-dhūlī-bahula-pari-malā-lī ḍha-lolāli-mālā-,
jhaṉkārā-rāva-sārā-mala-dala-kamalā-gāra-bhūmī-nivāse!.
chāyā-saṉbhāra-sāre! vara-kamala-kare! tāra-hārābhirāme!,
vāṇī-saṉdoha-dehe! bhava-viraha-varaṉ dehi me devi!
sāram.4.

Literal meaning :–

1. **saṉsāra-dāvā-nala-dāha-nīraṉ** = like water in cooling the heat of wide spread forest fire resembling worldly existence
   saṉsāra = worldly existence, **dāvā-nala** = of wide spread forest fire, **dāha** = the heat, **nīraṉ** = like water

saṉmoha-dhūlī-haraṇe-samīraṉ = like breeze in removing dust resembling the mass of deep ignorance
   saṉmoha = resembling the mass of deep ignorance, **dhūlī** = dust, **haraṇe** = in removing, **samīraṉ** = like breeze [wind]

māyā-rasā-dāraṇa-sāra-sīraṉ = like a best [sharp edged] plough in tearing off the earth resembling the delusions

स्तुति

आमूला-लोल-धूली-बहुल-परि-मला-लीढ-लोलालि-माला-,
झंकारा-राव-सारा-मल-दल-कमला-गार-भूमी-निवासे!.
छाया-संभार-सारे! वर-कमल-करे! तार-हाराभिरामे!,
वाणी-संदोह-देहे! भव-विरह-वरं देहि मे देवि! सारम्. .४.

शब्दार्थ :-

१. **संसार-दावा-नल-दाह-नीरं उ** संसार रूपी दावानल के ताप को शांत करने में जल समान

संसार उ संसार रूपी, **दावा-नल उ** दावानल के, **दाह उ** ताप को, **नीरं उ** जल समान

संमोह-धूली-हरणे-समीरं उ प्रगाढ मोह रूपी धूल को दूर करने में वायु समान

संमोह उ प्रगाढ मोह रूपी, **धूली उ** धूल को, **हरणे उ** दूर करने में, **समीरं उ** वायु समान

माया-रसा-दारण-सार-सीरं उ माया रूपी पृथ्वी को चीरने में उत्तम झ्तीक्ष्णट हल समान

माया उ माया रूपी, **रसा उ** पृथ्वी को, **दारण उ** चीरने में, **सार उ** उत्तम, **सीरं उ** हल समान

māyā = resembling the delusions, **rasā** = earth, **dāraṇa** = in tearing off, **sāra** = best, **sīram** = like a plough

namāmi vīram = i obeisance to **śrī mahāvīra svāmī**

namāmi = i obeisance, **vīram** = to **śrī mahāvīra svāmī**

giri-sāra-dhīram = firm like **meru** mountain

giri-sāra = like **meru** mountain, **dhīram** = firm

2. **bhāvā-vanāma-sura-dānava-mānavena** = of **surendra**s, **dānavendra**s and **narendra**s [**indra**s of gods, **dānava**s and human beings] bowing devotionaly

bhāva = devotionaly, **avanāma** = bowing, **sura** = of **surendra**s, **dānava** = **dānavendra**s, **mānavena** = **narendra**s

cūlā-vilola-kamalā-vali-mālitāni = worshipped by the oscillating garlands of lotus flower present in the crowns

cūlā = present in the crowns, **vilola** = the oscillating, **kamala** = lotus flower, **avali** = garlands of, **mālitāni** = worshipped by

sampūritā-bhinata-loka-samīhitāni = fulfillers of the wishes of people bowing down

sampūrita = fulfillers of, **abhinata** = bowing down, **loka** = of people,

नमामि वीरं उ श्री महावीर स्वामी को मैं नमस्कार करता हूँ

नमामि उ मैं नमस्कार करता हूँ, **वीरं उ श्री महावीर स्वामी** को

गिरि-सार-धीरं उ मेरु पर्वत के समान स्थिर

गिरि-सार उ मेरु पर्वत के समान, **धीरं उ** स्थिर

२. **भावा-वनाम-सुर-दानव-मानवेन उ** भाव पूर्वक नमन करने वाले

सुरेंद्र, **दानवेंद्र** और **नरेंद्रों** के इ्रदेव, **दानव** और मानवों के **इंद्रट**

भाव उ भाव पूर्वक, **अवनाम उ** नमन करने वाले, **सुर उ सुरेंद्र, दानव उ दानवेंद्र, मानवेन उ नरेंद्र**

चूला-विलोल-कमला-वलि-मालितानि उ मुकुट में स्थित चपल इ्रडोलती हुईट कमल श्रेणी इ्रहारट से पूजित

चूला उ मुकुट में स्थित, **विलोल उ** चपल, **कमल उ** कमल, **अवलि उ** श्रेणी से, **मालितानि उ** पूजित

संपूरिता-भिनत-लोक-समीहितानि उ नमन करने वाले लोगों का मनोवांछित संपूर्ण करने वाले

संपूरित उ संपूर्ण करने वाले, **अभिनत उ** नमन करने वाले, **लोक उ** लोगों का, **समीहितानि उ** मनोवांछित

कामं नमामि जिनराज-पदानि तानि उ जिनेश्वरों के उन चरणों में मैं

samīhitāni = the wishes

kāmaṉ namāmi jinarāja-padāni tāni = i obeisance faithfully in those feet of **jineśvara**s

kāmaṉ = faithfully, **jinarāja** = of **jineśvara**s, **padāni** = in feet, **tāni** = those

3. **bodhāgādhaṉ** = profound by deep knowledge

bodha = by deep knowledge, **agādhaṉ** = profound

supada-padavī-nīra-pūrābhirāmaṉ = fascinating by marvellous composition of phrases like a great mass of water

supada = by marvellous phrases, **padavī** = composition of, **nīra** = water, **pūra** = a great mass of, **abhirāmaṉ** = fascinating

jīvā-hiṉsā-virala-laharī-saṅgamā-gāha-dehaṉ = of impenetrable body with confluence of continuous waves of non-injury towards all living beings

jīva = towards all living beings, **ahiṉsā** = of non-injury, **avirala** = continuous, **laharī** = waves of, **saṅgama** = confluence of, **agāha** = of impenetrable, **dehaṉ** = body with

cūlā-velaṉ = having tide resembling appendix of scriptures

cūlā = resembling appendix of scriptures, **velaṉ** = having tide

स्तुति

श्रद्धा पूर्वक नमन करता हूं

कामं उ श्रद्धा पूर्वक, **नमामि उ** मैं नमन करता हूँ, **जिनराज उ जिनेश्वरों** के, **पदानि उ** चरणों में, **तानि उ** उन

३. बोधागाधं उ ज्ञान से गंभीर

बोध उ ज्ञान से, **अगाधं उ** गंभीर

सुपद-पदवी-नीर-पूराभिरामं उ सुंदर पद रचना रूपी जल समूह से मनोहर

सुपद उ सुंदर पद, **पदवी उ** रचना रूपी, **नीर उ** जल, **पूर उ** समूह से, **अभिरामं उ** मनोहर

जीवा-हिंसा-विरल-लहरी-संगमा-गाह-देहं उ जीवों के प्रति अहिंसा की निरंतर लहरों के संगम से अति गहन देह वाले

जीव उ जीवों के प्रति, **अहिंसा उ** अहिंसा की, **अविरल उ** निरंतर, **लहरी उ** लहरों के, **संगम उ** संगम से, **अगाह उ** अति गहन, **देहं उ** देह वाले

चूला-वेलं उ चूलिका झ्शास्त्र परिशिष्टट रूप भरती झ्ज्वारट वाले

चूला उ चूलिका रूप, **वेलं उ** भरती वाले

गुरु-गम-मणी-संकुलं उ उत्तम आलापक झ्लगभग समान पाठट रूपी रत्नो से व्याप्त

guru-gama-maṇī-saṉkulam = full of best gems resembling identical lessons

guru = best, **gama** = resembling identical lessons, **maṇī** = gems, **saṉkulam** = full of

dūra-pāram = crossed over with great difficulty

dūra = with great difficulty, **pāram** = crossed over

sāram vīrāgama-jala-nidhim = the best scriptures of **śrī mahāvīra svāmī** like ocean

sāram = the best, **vīra** = of **śrī mahāvīra svāmī, āgama** = scriptures, **jala-nidhim** = like ocean

sādaram sādhu seve = i adore in the best manner with great reverence

sādaram = with great reverence, **sādhu** = in the best manner, **seve** = i adore

4. āmūlā-lola-dhūlī = of the pollens [dropping] due to a little swinging upto the root

āmūla = upto the root, **alola** = due to a little swinging, **dhūlī** = of the pollens [dropping]

bahula-pari-malā-līḍha = fascinated in excessive fragrance

स्तुति

गुरु उ उत्तम, **गम उ** आलापक रूपी, **मणी उ** रत्नो से, **संकुलं उ** व्याप्त

दूर-पारं उ कठिनता से पार पाये जाने वाले

दूर उ कठिनता से, **पारं उ** पार पाये जाने वाले

सारं वीरागम-जल-निधिं उ श्री महावीर स्वामी के श्रेष्ठ आगम रूपी समुद्र की

सारं उ श्रेष्ठ, **वीर उ श्री महावीर स्वामी** के, **आगम उ** आगर रूपी, **जल-निधिं उ** समुद्र की

सादरं साधु सेवे उ मैं आदर पूर्वक अच्छी तरह से उपासना करता हूं

सादरं उ आदर पूर्वक, **साधु उ** अच्छी तरह से, **सेवे उ** मैं उपासना करता हूं

४. **आमूला-लोल-धूली उ** मूल पर्यंत कुछ डोलने से झ्रगिरे हुएट पराग की

आमूल उ मूल पर्यंत, **अलोल उ** कुछ डोलने से, **धूली उ** पराग की

बहुल-परि-मला-लीढ उ अधिक सुगंध में आसक्त

बहुल उ अधिक, **परि-मल उ** सुगंध से, **अलीढ उ** आसक्त

लोलालि-माला उ चपल भ्रमर समूह के

bahula = excessive, **pari-mala** = in fragrance, **alīḍha** = fascinated

lolāli-mālā = of the cluster of restless bees

lola = of restless, **ali** = bees, **mālā** = of the cluster

jhaṉkārā-rāva = having jingling sound

jhaṉkāra = jingling sound, **ārāva** = having

sārā-mala-dala-kamalā-gāra-bhūmī-nivāse! = residing on the floor of house of lotus with the best soft petals!

sāra = the best, **amala** = soft, **dala** = petals, **kamala** = of lotus, **agāra** = of house, **bhūmī** = on the floor, **nivāse** = residing

chāyā-saṃbhāra-sāre! = charming with the mass of brightness!

chāyā = of brightness, **saṃbhāra** = with the mass, **sāre** = charming

vara-kamala-kare! = having hands holding beautiful lotus flowers

vara = beautiful, **kamala** = holding lotus flowers, **kare** = having hands

tāra-hārābhirāme! = charming with lustrous garland

tāra = lustrous, **hāra** = with garland, **abhirāme** = charming

vāṇī-saṉdoha-dehe! = having a body like the collection of discourses [of **tīrthaṉkara**s]

स्तुति

लोल उ चपल, **अलि उ** भ्रमर, **माला उ** समूह के

झंकारा-राव उ झंकार शब्द से युक्त

झंकार उ झंकार शब्द से, **आराव उ** युक्त

सारा-मल-दल-कमला-गार-भूमी-निवासे! उ उत्तम निर्मल पंखुड़ी वाले कमल गृह की भूमि पर वास करने वाली!

सार उ उत्तम, **अमल उ** निर्मल, **दल उ** पंखुड़ी वाले, **कमल उ** कमल, **अगार उ** गृह की, **भूमी उ** भूमि पर, **निवासे उ** वास करने वाली!

छाया-संभार-सारे! उ कांति पुंज से रमणीय!

छाया उ कांति, **संभार उ** पुंज से, **सारे उ** रमणीय!

वर-कमल-करे! उ सुंदर कमल से युक्त हाथ वाली

वर उ सुंदर, **कमल उ** कमल से युक्त, **करे उ** हाथ वाली

तार-हाराभिरामे! उ देदीप्यमान हार से सुशोभित!

तार उ देदीप्यमान, **हार उ** हार से, **अभिरामे उ** सुशोभित

वाणी-संदोह-देहे! उ इ**तीर्थंकरों** कीट वाणी के समूह रूप देह वाली

वाणी उ वाणी, **संदोह उ** समूह रूप, **देहे उ** देह वाली

भव-विरह-वरं देहि मे देवि! सारं उ हे **श्रुत देवी!** मुझे इ**श्रुतज्ञान** काट

vāṇī = discourses, **saṉdoha** = like the collection of, **dehe** = having a body

bhava-viraha-varaṉ dehi me devi! sāraṉ = oh **śruta devī**! [goddess of learning] bestow me the great boon of essence [of **śruta jñāna**] in the form of detachment from worldly affairs [salvation]

bhava = worldly affairs, **viraha** = detachment from, **varaṉ** = the great boon of, **dehi** = bestow, **me** = me, **devi** = oh **śruta devī**!, **sāraṉ** = essence in the form of

Stanzaic meaning :–

I obeisance to **śrī mahāvīra svāmī** like water in cooling the heat of wide-spread forest fire resembling the worldly life, like wind in removing the dust resembling the mass of deep ignorance, like a best plough in tearing of the earth resembling the delusions and steady like **meru** mountain. .....1.

I obeisance faithfully in those feet of **jineśvara**s worshipped by the oscillating rows of lotus flowers present in the crowns of **sureṉdra**s, **dānaveṉdra**s and **nareṉdra**s bowing down devotionally and the fulfillers of wishes of people bowing down. 2.

I adore in the best manner with great reverence the best scriptures of **śrī**

स्तुति

सार रूप संसार से विरह झ्मोक्षट का श्रेष्ठ वरदान दो

भव उ संसार, **विरह उ** विरह का, **वरं उ** श्रेष्ठ वरदान, **देहि उ** दो, **मे उ** मुझे, **देवी उ** हे **श्रुत देवी**, **सारं उ** सार रूप

गाथार्थ :–

संसार रूपी दावानल के ताप को शांत करने में जल समान, प्रगाढ मोह रूपी धूल को दूर करने में वायु समान, माया रूपी पृथ्वी को चीरने में तीक्ष्ण हल समान और **मेरु** पर्वत समान स्थिर **श्री महावीर स्वामी** को मैं वंदन करता हूँ. .....१.

भाव पूर्वक नमन करने वाले **सुरेंद्र, दानवेंद्र** और **नरेंद्रों** के मुकुट में स्थित चपल कमल श्रेणियों से पूजित और नमन करने वाले लोगों के मनोवांछित संपूर्ण करने वाले **जिनेश्वरों** के उन चरणों में मैं श्रद्धा पूर्वक नमन करता हूँ.....२.

ज्ञान से गंभीर, सुंदर पद रचना रूप जल समूह से मनोहर, जीवों के प्रति अहिंसा की निरंतर लहरों के संगम से अति गहन देह वाले, चूलिका रूप

mahāvīra svāmī like ocean, profound by knowledge, fascinating by marvellous composition of phrases like a great collection of water, of impenetrable body with the confluence of continuous waves of non-injury against all living beings, having tide resembling appendix, full of best gems resembling identical lessons and crossed over with great difficulty. .....3.

Oh **śruta devī**! residing on the floor of house of lotus with best soft petals having jingling sound of the cluster of restless bees fascinated in excessive fragrance of pollen dropped due to a little swinging upto the root, charming with the mass of brightness, having beautiful lotus flowers in hands, shining with the lustrous garland and having body like the collection of discourses [of the **tīrthaṅkara**s] shall bestow me the great boon of essence [of **śruta jñāna**] in the form of salvation. 4.

Specific meaning :–

saṉmoha = Deep delusions not allowing the intellect to decide truth properly.

āgama :–

भरती वाले, उत्तम आलापक रूपी रत्नों से व्याप्त और अति कठिनता पूर्वक पार पाये जाने वाले **श्री महावीर स्वामी** के आगम रूपी समुद्र की मैं अच्छी तरह से आदर पूर्वक उपासना करता हूँ. .....३.

मूल पर्यंत कुछ डोलने से गिरे हुए पराग की अधिक सुगंध में आसक्त चपल भ्रमर समूह के झंकार शब्द से युक्त उत्तम निर्मल पंखुड़ी वाले कमल गृह की भूमि पर वास करने वाली, कांति पुंज से रमणीय, सुंदर कमल से युक्त हाथ वाली, देदीप्यमान हार से सुशोभित और **झतीर्थंकरों** कीट वाणी के समूह रूप देहवाली हे **श्रुत देवी!** मुझे **झश्रुत ज्ञान** केट सार रूप मोक्ष का श्रेष्ठ वरदान दो. .....४.

विशेषार्थ :-

संमोह उ प्रगाढ मोह / बुद्धि द्वारा तत्त्व का यथा योग्य निर्णय न करने देने वाला प्रगाढ भाव.

आगम :-

१. आप्त झ्परम विश्वसनीय पुरुषों केट वचनों का संग्रह.

1. Collection of absolutely dependable person's words.
2. Scriptures compiled in the form of aphorisms by the **gaṇadhara**s or **pūrvadhara**s [possessors of the knowledge of **pūrva**s] in the from **sūtra**s originating from the words spoken by the **tīrthaṅkara**s.

Introduction of the sūtra :-

Eulogy of **śrī mahāvīra svāmī**, all the **jineśvara**s, **jina āgama** and **śruta devī** [goddess of scriptures] has been done in this even **saṉaskṛta-prākṛta** eulogy composed by **śrī haribhadra sūri**.

२. **तीर्थंकर** द्वारा कथित वचनों का **गणधरों** अथवा **पूर्वधरों** द्वारा **सूत्र** रूप संकलित शास्त्र का संग्रह.

सूत्र परिचय :-

श्री हरिभद्रसूरि द्वारा रचित इस **समसंस्कृत-प्राकृत** स्तुति में **श्री महावीर स्वामी**, सर्व **जिनेश्वर, जिन आगम** और **श्रुत देवी** की स्तुति की गयी है.

22. pukkhara-vara-dīvaḍḍhe sūtra

pukkhara-vara-dīvaḍḍhe, dhāyai-saṇḍe a jambu-dīve a.
bharaheravaya-videhe, dhammāi-gare namamsāmi. ..... .1.
tama-timira-paḍala-viddham-saṇassa sura-gaṇa-narinda-mahiassa.
sīmā-dharassa vande, papphoḍia-moha jālassa. ..... .2.
jāī-jarā-maraṇa-soga-paṇāsaṇassa,
kallāṇa-pukkhala-visāla-suhā-vahassa.
ko deva-dāṇava-narinda-gaṇa-cciassa,
dhammassa sāra-muvalabbha kare pamāyaṃ?.
.3.
siddhe bho! payao namo jiṇa-mae nandī sayā sañjame,
devam-nāga-suvanna-kinnara-gaṇa-ssabbhūa-bhāvaccie.
logo jattha paiṭṭhio jagamiṇam telukka-maccāsuram,

२२. पुक्खर-वर-दीवड्ढे सूत्र

पुक्खर-वर-दीवड्ढे, धायइ-संडे अ जंबु-दीवे अ.
भरहेरवय-विदेहे, धम्माइ-गरे नमंसामि..... .१.
तम-तिमिर-पडल-विद्धं-सणस्स सुर-गण-नरिंद-महिअस्स.
सीमा-धरस्स वंदे, पप्फोडिअ-मोह जालस्स..... .२.
जाई-जरा-मरण-सोग-पणासणस्स,
कल्लाण-पुक्खल-विसाल-सुहा-वहस्स.
को देव-दाणव-नरिंद-गण-च्चिअस्स,
धम्मस्स सार-मुवलब्भ करे पमायं?.
.३.
सिद्धे भो! पयओ नमो जिण-मए नंदी सया संजमे,
देवं-नाग-सुवन्न-किन्नर-गण-स्सब्भूअ-भावच्चिए.
लोगो जत्थ पइट्ठिओ जगमिणं तेलुक्क-मच्चासुरं,
धम्मो वड्ढउ सासओ विजयओ धम्मुत्तरं वड्ढउ.

dhammo vaḍḍhau sāsao vijayao dhammuttaram vaḍḍhau.
.4.
suassa bhagavao karemi kāussaggam, vandaṇa-vattiyāe...
[sūtra-19.]..... .5.

Literal meaning :–

1. **pukkhara-vara-dīvaḍḍhe** = in half the island of **puṣkara-vara**
   pukkhara-vara = puṣkara-vara, dīva = in the island of, **aḍḍhe** = half
dhāyai-saṇḍe a = and in the continent of **dhātakī**
   dhāyai = dhātakī, saṇḍe = in the continent of, **a** = and
jambu-dīve a = and in the island of **jambu**
   jambu = jambu, dīve = in the island of
bharaheravaya-videhe = in the regions of **bharata, airāvata** and **mahāvideha**
   bharaha = bharata, eravaya = airāvata, videhe = in the regions of **mahāvideha**
dhammāi-gare namaṃsāmi = i obeisance to the beginners of **[śruta] dharma**
   dhamma = of **dharma, āigare** = to the beginners, **namaṃsāmi** = i

.४.

सुअस्स भगवओ करेमि काउस्सग्गं, वंदण-वत्तियाए... इ॰सूत्र-१९.ट. ..... .५.

शब्दार्थ :-

१. पुक्खर-वर-दीवड्ढे उ अर्ध **पुष्कर-वर** द्वीप में

पुक्खर-वर उ पुष्कर-वर, दीव उ द्वीप में, **अड्ढे उ** अर्ध

धायइ-संडे अ उ और **धातकी** खंड में

धायइ उ धातकी, संडे उ खंड में, **अ उ** और

जंबु-दीवे अ उ और **जंबु** द्वीप में

जंबु उ जंबु, दीवे उ द्वीप में

भरहेरवय-विदेहे उ भरत, ऐरावत और **महाविदेह** क्षेत्र में

भरह उ भरत, एरवय उ ऐरावत, विदेहे उ महाविदेह क्षेत्र में

धम्माइ-गरे नमंसामि उ इ॰श्रुतट धर्म की आदि करने वालों को मैं नमस्कार करता हूँ

धम्म उ धर्म की, **आइ उ** आदि, **गरे उ** करने वालों को, **नमंसामि**

obeisance

2. **tama-timira-paḍala-viddham-saṇassa** = annihilator of mass of darkness resembling ignorance

tama = resembling ignorance, **timira** = of darkness, **paḍala** = mass, **viddhamsaṇassa** = annihilator of

sura-gaṇa-narinda-mahiassa = worshipped by the assembly of gods and kings

sura = of gods, **gaṇa** = by the assembly, **narinda** = kings, **mahiassa** = worshipped

sīmā-dharassa vande = i obeisance to **[śruta dharma]** the holder of self-restraints / limitations

sīmā = limitations, **dharassa** = to the holder of, **vande** = i obeisance

papphoḍia-moha-jālassa = destroyer of the snare of infatuating delusion

papphoḍia = destroyer of, **moha** = the snare, **jālassa** = of infatuating delusion

3. **jāī-jarā-maraṇa-soga-paṇāsaṇassa** = annihilator of birth, old age, death, and grief

उ मैं नमस्कार करता हूँ

२. **तम-तिमिर-पडल-विद्धं-सणस्स उ** अज्ञान रूपी अंधकार के समूह को नाश करने वाले

तम उ अज्ञान रूपी, **तिमिर उ** अंधकार के, **पडल उ** समूह को, **विद्धं उ** नाश, **सणस्स उ** करने वाले

सुर-गण-नरिंद-महिअस्स उ देवों और राजाओं के समूह से पूजित

सुर उ देवों, **गण उ** समूह से, **नरिंद उ** राजाओं के, **महिअस्स उ** पूजित

सीमा धरस्स वंदे उ मर्यादा धारण करने वाले इश्रुत धर्मट को मैं वंदन करता हूँ

सीमा उ मर्यादा, **धरस्स उ** धारण करने वाले, **वंदे उ** मैं वंदन करता हूँ

पप्फोडिअ-मोह-जालस्स उ मोह जाल को तोड़ने वाले

पप्फोडिअ उ तोड़ने वाले, **मोह उ** मोह, **जालस्स उ** जाल को

३. **जाई-जरा-मरण-सोग-पणासणस्स उ** जन्म, जरा, मृत्यु और शोक का नाश करने वाले

jāī = of birth, **jarā** = old age, **maraṇa** = death, **soga** = grief, **paṇāsaṇassa** = annihilator

kallāṇa-pukkhala-visāla-suhā-vahassa = granter of great bliss and ever-lasting happiness

kallāṇa = of bliss, **pukkhala** = great, **visāla** = ever-lasting, **suhā** = happiness, **vahassa** = granter

ko = who

deva-dāṇava-nariṉda-gaṇa-cciassa = worshipped by the assembly of **deveṉdra**s, **dānaveṉdra**s and **nareṉdra**s

deva = of **deveṉdra**s, **dāṇava** = **dānaveṉdra**s, **acciassa** = worshipped

dhammassa sāra-muvalabbha = having secured the essence of **[śruta] dharma**

dhammassa = **dharma, sāraṉ** = the essence of, **uvalabbha** = having secured

kare pamāyaṉ = will be negligent?

kare = will be, **pamāyaṉ** = negligent

4. siddhe bho! payao namo jiṇa-mae = oh wise men! i obeisance respectfully the famous **jina** [jain] doctrines

जाई उ जन्म, **जरा उ** जरा, **मरण उ** मृत्यु, **सोग उ** शोक का, **पणासणस्स उ** नाश करने वाले

कल्लाण-पुक्खल-विसाल-सुहा-वहस्स उ पुष्कल कल्याण और विशाल सुख को देने वाले

कल्लाण उ कल्याण, **पुक्खल उ** पुष्कल, **विसाल उ** विशाल, **सुहा उ** सुख को, **वहस्स उ** देने वाले

को उ कौन

देव-दाणव-नरिंद-गण-च्चिअस्स उ देवेंद्र, दानवेंद्र और **नरेंद्रों** के समूह से पूजित

देव उ देवेंद्र, दाणव उ दानवेंद्र, अच्चिअस्स उ पूजित

धम्मस्स सार-मुवलब्भ उ झ्श्रुतट धर्म के सार को प्राप्त करके

धम्मस्स उ धर्म के, **सारं उ** सार को, **उवलब्भ उ** प्राप्त करके

करे पमायं उ प्रमाद करेगा?

करे उ करेगा, **पमायं उ** प्रमाद

४. सिद्धे भो! पयओ नमो जिण-मए उ हे मनुष्यों! सिद्ध झ्प्रख्यातट **जिन** मत झ्जैन दर्शनट को मैं आदर पूर्वक नमस्कार करता हूँ

siddhe = the famous, **bho** = oh wise men, **payao** = respectfully, **namo** = i obeisance, **jiṇa** = **jina, mae** = doctrines

nandī sayā sañjame = progressing always in self-control

nandī = progressing, **sayā** = always, **sañjame** = in self-control

devam-nāga-suvanna-kinnara-gaṇa-ssabbhūa-bhāvaccie = worshipped by the assembly **deva**s, **nāga kumāra**s, **suvarṇa kumāra**s and **kinnara deva**s with a heart felt devotion

devam = **deva**s, **nāga** = **nāga kumāra**s, **suvanna** = **suvarṇa kumāra**s, **kinnara** = **kinnara deva**s, **ssabbhūa** = with a heart felt, **bhāva** = devotion, **accie** = worshipped

logo jattha paiṭṭhio = in which universe [knowledge of all matters] is present [revealed]

logo = universe, **jattha** = in which, **paiṭṭhio** = is present

jagamiṇam = this world

jagam = world, **iṇam** = this

telukka-maccāsuram = like the support of men, [**deva**s] and **asura**s etc. of all the three worlds

te = all the three, **lukka** = of worlds, **macca** = men, **asuram** = of **asura**s

सिद्धे उ सिद्ध, **भो उ** हे मनुष्यों!, **पयओ उ** आदर पूर्वक, **नमो उ** नमस्कार करता हूँ, **जिण उ जिन**, **मए उ** मत को

नंदी सया संजमे उ संयम में सदा वृद्धि करने वाला

नंदी उ वृद्धि करने वाला, **सया उ** सदा, **संजमे उ** संयम में

देवं-नाग-सुवन्न-किन्नर-गण-स्सब्भूअ-भावच्चिए उ देव, नाग कुमार, सुवर्ण कुमार और **किन्नर देवों** के समूह द्वारा सच्चे भाव से पूजित

देवं उ देव, नाग उ नाग कुमार, सुवन्न उ सुवर्ण कुमार, किन्नर उ किन्नर देवों, स्सब्भूअ उ सच्चे, **भाव उ** भाव से, **अच्चिए उ** पूजित

लोगो जत्थ पइट्ठिओ उ जिसमें लोक इसकल पदार्थों का ज्ञानट प्रतिष्ठित इवर्णितट है

लोगो उ लोक, **जत्थ उ** जिसमें, **पइट्ठिओ उ** प्रतिष्ठित है

जगमिणं उ यह जगत

जगं उ जगत, **इणं उ** यह

तेलुक्क-मच्चासुरं उ तीनों लोक में मनुष्य, इद्देवट और **असुरादि** के आधार रूप

ते उ तीनों, **लुक्क उ** लोक में, **मच्च उ** मृत्यु इमनुष्यट, **असुरं उ**

etc.

dhammo vaḍḍhau sāsao = everlasting **[śruta] dharma** may attain prosperity

dhammo = dharma, vaḍḍhau = may attain prosperity, **sāsao** = everlasting

vijayao dhammuttaram vaḍḍhau = subsequent **[cāritra] dharma** may attain prosperity by victories

vijayao = by victories, **dhamma = dharma, uttaram** = subsequent

5. suassa bhagavao karemi kāussaggam = i perform **kāyotsarga** [for the worship] of the god of **śruta**

suassa = of **śruta, bhagavao** = of the god, **karemi** = i perform, **kāussaggam = kāyotsarga**

Stanzaic meaning :–

I obeisance to the beginners of **[śruta] dharma** in the regions of **bharata, airāvata** and **mahāvideha** in half **puṣkara-vara dvīpa, dhātakī khaṇḍa** and **jambu dvīpa**. .....1.

I obeisance to **[śruta dharma]**, the annihilator of mass of darkness resembling ignorance, worshipped by the assembly of gods and kings, holders of limitations

असुरादि

धम्मो वड्ढउ सासओ उ शाश्वत **झ्श्रुतट धर्म** वृद्धि को प्राप्त हो

धम्मो उ धर्म, वड्ढउ उ वृद्धि को प्राप्त हो, **सासओ उ** शाश्वत

विजयओ धम्मुत्तरं वड्ढउ उ विजयों से उत्तर **झ्चारित्रट धर्म** वृद्धि को प्राप्त हो

विजयओ उ विजयों से, **धम्म उ धर्म, उत्तरं उ** उत्तर,

५. सुअस्स भगवओ करेमि काउस्सग्गं उ श्रुत भगवान की झ्आराधना के लियेट मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ

सुअस्स उ श्रुत, भगवओ उ भगवान की, **करेमि उ** मैं करता हूँ, **काउस्सग्गं उ कायोत्सर्ग**

गाथार्थ :–

अर्ध **पुष्कर-वर द्वीप, धातकी खंड** और **जंबु द्वीप** में स्थित **भरत, ऐरावत** और **महाविदेह** क्षेत्र में **झ्श्रुतट धर्म** की आदि करने वालों को मैं नमस्कार करता हूँ. .....१.

अज्ञान रूपी अंधकार के समूह को नाश करने वाले, देवों और राजाओं के समूह से पूजित, मर्यादा को धारण करने वाले और मोह जाल को तोड़ने

and destroyer of snare of infatuating delusions. .....2.

Who will be negligent after having secured the essence of **[śruta] dharma**, the annihilator of birth, old age, death and grief, granter of great bliss and ever-lasting happiness and worshipped by the assembly of **deven̲dra**s, **dānaven̲dra**s and **naren̲dra**s. .....3.

Oh wise men! I obeisance respectfully to the well known **jaina** doctrines. [That] everlasting **[śruta] dharma** progressing always in self- control, adored by the assembly of **deva**s, **nāga kumāra**s, **suvarṇa kumāra**s and **kinnara deva**s with heart felt devotion, in which knowledge of universe and this world is present and like the support of men and **asura** etc. of all the three worlds may attain prosperity. The **cāritra dharma** may attain prosperity by victories. .....4.

I perform **kāyotsarga** [for the worship] of the god of **śruta**.

Specific meaning :–

pramāda = Idleness / Negligence towards self-interest [spiritual interest] and aversion from worthy spiritual rites.

sañyama / cāritra = Overcoming of **kaṣāya** and **yoga**.

Forty five regions [fifteen lands of activities and thirty lands of inactivity] :– There

वाले **इश्रुत धर्मट** को मैं वंदन करता हूँ. .....२.
जन्म, जरा, मृत्यु और शोक को नाश करने वाले, पुष्कल कल्याण और विशाल सुख को देने वाले, **देवेंद्र, दानवेंद्र** और **नरेंद्रो** के समूह से पूजित **इश्रुतट धर्म** के सार को प्राप्त कर कौन प्रमाद करेगा?. .....३.

हे मनुष्यों! मैं सिद्ध **जैन** मत को आदर पूर्वक नमस्कार करता हूँ. संयम में सदा वृद्धि करने वाला, **देव, नाग कुमार, सुवर्ण कुमार** और **किन्नर देवों** के समूह द्वारा सच्चे भाव से पूजित, जिसमें लोक और यह जगत् प्रतिष्ठित है और तीनों लोक के मनुष्य और **असुरादि** का आधार रूप शाश्वत **इश्रुतट धर्म** वृद्धि को प्राप्त हो. विजयों से **चारित्र धर्म** वृद्धि को प्राप्त हो. ..४.
श्रुत भगवान की इआराधना के लियेट मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ.

विशेषार्थ :-

प्रमाद उ आलस / आत्म हित के प्रति असावधानी और सत्क्रियाओं से विमुखता.
संयम / चारित्र उ कषाय और **योग** का निग्रह
पैंतालीस क्षेत्र उ इप्रंद्रह कर्म भूमि और तीस अकर्म भूमिट :- जंबू द्वीप में **भरत, हैमवत, हरि, महाविदेह, रम्यक्, हैरण्यवत** और **ऐरावत**

are seven regions in **jambū dvīpa** namely **bharata, haimavata, hari, mahāvideha, ramyak, hairaṇyavata** and **airāvata**. There are double [fourteen-fourteen] regions of same name in **dhātakī khaṇḍa** and half **puṣkara-vara dvīpa**. Out of these thirty five regions, the regions of five **bharata**, five **airāvata** and five **mahāvideha** [excluding **uttara kuru** and **deva kuru**]-- in all fifteen regions are the lands of activities [where men have to work for their livelihood]. Remaining regions of five **haimavata**, five **hari**, five **ramyak**, five **hairaṇyavata** and five **deva kuru**, five **uttara kuru** [from five **mahāvideha**]-- in all thirty regions are the land of inactivity [where men need not work for there livelihood.].

śruta jñāna = Knowledge, doctrines or discourses secured by the **gaṇadhara bhagavanta**s from the **tīrthaṅkara bhagavāna**s by listening and composed in the form of scriptures.

siddha jina mata [proved jina (Jain) doctrines] :– Doctrines / philosophy / religion in the form of **gaṇipiṭaka** [twelve **aṅga** s] preached in meaning by the **tīrthaṅkara** after acquiring **kevala jñāna** and well established by **naya**s and **pramāṇa**s and well proved by **kasa śuddhi, cheda śuddhi** and **tāpa śuddhi** [perfectness in **kasa, cheda,** and **tāpa**].

naya :– To observe / understand a matter in any of one angle.

नामक सात क्षेत्र हैं. इन्हीं नाम के दुगुणे झ्चौदह-चौदहट क्षेत्र **धातकी खंड** और अर्ध **पुष्कर-वर द्वीप** में भी हैं. इन पैंतीस क्षेत्रों में से पाँच **भरत**, पाँच **ऐरावत** और पाँच **महाविदेह झ्उत्तर कुरु** और **देव कुरु** को छोड़करट क्षेत्र– ये कुल पंद्रह क्षेत्र कर्म भूमि झ्जहाँ मनुष्यों को अपनी आजीविका के लिये श्रम करना पड़ता है.ट हैं. शेष पाँच **हैमवत**, पाँच **हरि**, पाँच **रम्यक्**, पाँच **हैरण्यवत** एवं पाँच **देव कुरु**, पाँच **उत्तर कुरु** झ्पाँच **महाविदेह** में केट क्षेत्र– कुल तीस क्षेत्र– अकर्म भूमि झ्जहाँ मनुष्यों को अपनी आजीविका के लिये श्रम नहीं करना पड़ता है.ट हैं.

श्रुत ज्ञान उ तीर्थंकर भगवान से **गणधर भगवंतों** द्वारा सुनकर प्राप्त किया हुआ और शास्त्र रूप रचा हुआ ज्ञान, सिद्धांत या प्रवचन.

सिद्ध जिन मत :– केवल ज्ञान प्राप्ति के बाद **तीर्थंकर** द्वारा अर्थ से प्ररूपित और **नय** और **प्रमाणों** द्वारा प्रस्थापित झ्प्रतिष्ठितट एवं **कस शुद्धि, छेद शुद्धि** और **ताप शुद्धि** से प्रख्यात **गणिपिटक** झ्बारह **अंग**ट रूप मत / दर्शन / धर्म.

pramāṇa :– To observe / understand a matter in all angles.

Three types of śuddha dharma / mata / darśana [perfect doctrines / philosophy / religion] :–

1. **kasa śuddha dharma [religion perfect by kasa] :–** Religion showing the best ideals like mōkṣa [salvation].
2. **cheda śuddha dharma [religion perfect by cheda] :–** Religion showing conducts suitable in acquiring the best ideals.
3. **tāpa śuddha dharma [religion perfect by tāpa] :–** Religion having **tattva-jñāna** [metaphysical knowledge] co-ordinating **kasa śuddhi** and **cheda śuddhi** [perfectness of ideals and conducts].

Introduction of the sūtra :–

Saluting the **tīrthaṅkara**s, the ramblers in **ḍhāī dvīpa** and the metaphorical describer of the **śruta jñāna**; glorification of the greatness of **śruta jñāna** has been done in this **sūtra**.

नय :- पदार्थ को किसी भी एक दृष्टि से देखना / समझना.
प्रमाण :- पदार्थ को सर्व दृष्टि से देखना / समझना.
तीन प्रकार से शुद्ध धर्म / मत / दर्शन :-

१. **कस शुद्ध धर्म- मोक्ष** आदि श्रेष्ठ आदर्श दर्शाने वाला धर्म.

२. **छेद शुद्ध धर्म-** श्रेष्ठ आदर्शों की प्राप्ति के लिए अनुरूप आचार दर्शाने वाला धर्म.

३. **ताप शुद्ध धर्म- कस शुद्धि** और **छेद शुद्धि** झ्शुद्ध आदर्श और आचारट का समन्वय करने वाला **तत्त्वज्ञान** से युक्त धर्म.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** में **ढाई द्वीप** में विचरने वाले एवं **श्रुत ज्ञान** की प्ररूपणा करने वाले **तीर्थंकरों** को नमस्कार करके **श्रुत ज्ञान** की स्तुति की गयी है.

23. siddhāṇam buddhāṇam sūtra

siddhāṇam buddhāṇam, pāra-gayāṇam parampara-gayāṇam.
loagga-muvagayāṇam, namo sayā savva-siddhāṇam. ..... .1.
jo devāṇa vi devo, jam devā pañjalī namamsanti.
tam deva-deva-mahiam, sirasā vande mahāvīram. ..... .2.
ikko vi namukkāro, jiṇavara-vasahassa vaddhamāṇassa.
sansāra-sāgarāo, tārei naram va nārim vā. ..... .3.
ujjinta-sela-sihare, dikkhā nāṇam nisīhiā jassa.
tam dhamma-cakkavaṭṭim, ariṭṭha-nemim namamsāmi. ..... .4.
cattāri aṭṭha dasa do ya, vandiyā jiṇavarā cauvvīsam.
paramaṭṭha-niṭṭhi-aṭṭhā, siddhā siddhim mama disantu. ..... .5.

Literal meaning :-

1.siddhāṇam = having attained the salvation
buddhāṇam = holders of absolute perfect knowledge

२३. सिद्धाणं बुद्धाणं सूत्र

सिद्धाणं बुद्धाणं, पार-गयाणं परंपर-गयाणं.
लोअग्ग-मुवगयाणं, नमो सया सव्व-सिद्धाणं. ..... .१.
जो देवाण वि देवो, जं देवा पंजली नमंसंति.
तं देव-देव-महिअं, सिरसा वंदे महावीरं. ..... .२.
इक्को वि नमुक्कारो, जिणवर-वसहस्स वद्धमाणस्स.
संसार-सागराओ, तारेइ नरं व नारिं वा. ..... .३.
उज्जिंत-सेल-सिहरे, दिक्खा नाणं निसीहिआ जस्स.
तं धम्म-चक्कवट्टिं, अरिट्ठ-नेमिं नमंसामि. ..... .४.
चत्तारि अट्ठ दस दो य, वंदिया जिणवरा चउव्वीसं.
परमट्ठ-निट्ठि-अट्ठा, सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु. .. .५.

शब्दार्थ :-

१.सिद्धाणं उ सिद्ध गति को प्राप्त किये हुए
बुद्धाणं उ सर्वज्ञ

pāra-gayāṇam = having crossed [the ocean of life]
pāra = crossed, **gayāṇam** = having
parampara-gayāṇam = having gone [to salvation] in sequence [of **guṇasthāna**s]
paramparā = in sequence, **gayāṇam** = having gone
loagga-muvagayāṇam = having reached the highest place in the universe
loaggam = the highest place in the universe, **uvagayāṇam** = having reached
namo sayā savva-siddhāṇam = always be obeisance to all the **siddha bhagavanta**s
namo = be obeisance, **sayā** = always, **savva** = all, **siddhāṇam** = to **siddha bhagavanta**s
2.jo devāṇa vi devo = who are even god of the gods
jo = who, **devāṇa** = of the gods, **vi** = even, **devo** = are god
jam devā pañjalī namamsanti = to whom the gods bow down with folded hands
jam = to whom, **devā** = the gods, **pañjalī** = with folded hands, **namamsanti** = bow down

पार-गयाणं उ झ्संसार समुद्र कोट पार किये हुए

पार उ पार, **गयाणं उ** किये हुए

परंपर-गयाणं उ झ्गुणस्थानों कीट परंपरा झ्क्रमट से झ्सिद्धि मेंट गये हुए

परंपर उ परंपरा से, **गयाणं उ** गये हुए

लोअग्ग-मुवगयाणं उ लोक के अग्र भाग पर गये हुए

लोअग्गं उ लोक के अग्र भाग पर, **उवगयाणं उ** गये हुए

नमो सया सव्व-सिद्धाणं उ सर्व **सिद्ध भगवंतों** को सदा नमस्कार हो

नमो उ नमस्कार हो, **सया उ** सदा, **सव्व उ** सर्व, **सिद्धाणं उ सिद्ध भगवंतो** को

२.जो देवाण वि देवो उ जो देवों के भी देव हैं

जो उ जो, **देवाण उ** देवो के, **वि उ** भी, **देवो उ** देव हैं

जं देवा पंजली नमंसंति उ जिनको देव अंजली पूर्वक नमस्कार करते हैं

जं उ जिनको, **देवा उ** देव, **पंजली उ** अंजली पूर्वक, **नमंसंति उ** नमस्कार करते हैं

तं उ उन

tam = those

deva-deva-mahiyam = worshipped by the god of the gods **[indra]**

deva = of the gods, **deva** = by the god, **mahiyam** = worshipped

sirasā vande mahāvīram = i obeisance to **śrī mahāvīra svāmī** bowing down my head

sirasā = bowing down my head, **vande** = i obeisance, **mahāvīram** = to **śrī mahāvīra svāmī**

3.ikko vi namukkāro = even a single obeisance offered

ikko = a single, **namukkāro** = obeisance offered

jiṇavara-vasahassa vaddhamāṇassa = to **śrī mahāvīra svāmī**, the greatest amongst the **jineśvara**s

jiṇavara = amongst the **jineśvara**s, **vasahassa** = the greatest, **vaddhamāṇassa** = to **śrī mahāvīra svāmī**

sansāra-sāgarāo = from the ocean of life

sansāra = of life, **sāgarāo** = from the ocean

tārei naram va nārim vā = helps to crossover [carries across] the men or women

tārei = helps to crossover, **naram** = the men, **va** = or, **nārim** = women, **vā** = or

देव-देव-महियं उ देवों के देव **इंद्र** द्वारा पूजित
देव उ देवों के, **देव उ** देव द्वारा, **महियं उ** पूजित
सिरसा वंदे महावीरं उ मस्तक नमाकर **श्री महावीर स्वामी** को मैं वंदन करता हूँ
सिरसा उ मस्तक नमाकर, **वंदे उ** वंदन करता हूँ, **महावीरं उ श्री महावीर स्वामी** को
३.इक्को वि नमुक्कारो उ किया हुआ एक ही नमस्कार
इक्को उ एक, **वि उ** ही, **नमुक्कारो उ** किया हुआ नमस्कार
जिणवर-वसहस्स वद्धमाणस्स उ जिनेश्वरों में उत्तम **श्री महावीर स्वामी** को
जिणवर उ जिनेश्वरों में, **वसहस्स उ** उत्तम, **वद्धमाणस्स उ श्री महावीर स्वामी** को
संसार-सागराओ उ संसार समुद्र से
संसार उ संसार, **सागराओ उ** समुद्र से
तारेइ नरं व नारिं वा उ नर या नारी को तारता है
तारेइ उ तारता है, **नरं उ** नर, **व उ** या, **नारिं उ** नारी को, **वा उ** या
४.उज्जिंत-सेल-सिहरे उ गिरनार पर्वत के शिखर पर

4.ujjiṉta-sela-sihare = on the summit of **giranāra** mountain
ujjiṉta = of **giranāra, sela** = mountain, **sihare** = on the summit
dikkhā nāṇaṁ nisīhiā jassa = whose **kalyāṇaka**s of **dīkṣā**, **kevala jñāna** and **nirvāṇa** took place
dikkhā = dīkṣā, nāṇaṁ = kevala jñāna, nisīhiā = nirvāṇa, jassa = whose

taṁ dhamma-cakka-vaṭṭiṁ = those religious emperor
taṁ = those, **dhamma** = religious, **cakkavaṭṭiṁ** = emperor
ariṭṭha-nemiṁ namaṁsāmi = i obeisance to **śrī ariṣṭa nemi [neminātha]**

ariṭṭha-nemiṁ = to **śrī ariṣṭa nemi, namaṁsāmi** = i obeisance

5.cattāri aṭṭha dasa do ya = in the sequence of four, eight, ten and two [on **aṣṭāpada** mountain]
cattāri = four, **aṭṭha** = eight, **dasa** = ten, **do** = two, **ya** = and
vaṉdiyā jiṇavarā cauvvīsaṁ = all the twenty four **jineśvara**s obeisanced
vaṉdiyā = obeisanced, **jiṇavarā = jineśvara**s, **cauvvīsaṁ** = all the twenty four

उज्जिंत उ गिरनार, **सेल उ** पर्वत के, **सिहरे उ** शिखर पर

दिक्खा नाणं निसीहिआ जस्स उ जिनकी **दीक्षा, केवल ज्ञान** और **निर्वाण कल्याणक** हुए हैं

दिक्खा उ दीक्षा, **नाणं उ केवल ज्ञान**, **निसीहिआ उ निर्वाण**, **जस्स उ** जिनकी

तं धम्म-चक्क-वट्टिं उ उन धर्म चक्रवर्ती

तं उ उन, **धम्म उ** धर्म, **चक्कवट्टिं उ** चक्रवर्ती

अरिट्ठ-नेमिं नमंसामि उ श्री अरिष्ट नेमि इन्नेमिनाथट को मैं नमस्कार करता हूँ

अरिट्ठ-नेमिं उ श्री अरिष्ट नेमि को, **नमंसामि उ** मैं नमस्कार करता हूँ

५.चत्तारि अट्ठ दस दो य उ इअष्टापद पर्वत परट चार, आठ, दस और दो के क्रम से

चत्तारि उ चार, **अट्ठ उ** आठ, **दस उ** दस, **दो उ** दो, **य उ** और

वंदिया जिणवरा चउव्वीसं उ वंदित चौबीसों **जिनेश्वर**

वंदिया उ वंदित, **जिणवरा उ जिनेश्वर**, **चउव्वीसं उ** चौबीसों

paramaṭṭha-niṭṭhi-aṭṭhā = having obtained the ultimate goal of life [salvation]

parama = the ultimate, **aṭṭha** = goal, **niṭṭhi-aṭṭhā** = having obtained

siddhā siddhim mama disantu = siddha bhagavantas shall grant me the boon [of salvation]

siddhā = siddha bhagavantas, **siddhim** = the boon, **mama** = me, **disantu** = shall grant

Stanzaic meaning :–

Always be obeisance to all the **siddha bhagavanta**s, having attained the salvation, holders of absolute perfect knowledge, having crossed [the ocean of life], having gone [to salvation] in sequence and having reached the highest place in the universe. .....1.

I obeisance to those **śrī mahāvīra svāmī** bowing down my head, who is even god of the gods, to whom gods bow down with folded hands and who is worshipped by the **indra**s. .....2.

Even a single obeisance offered to **śrī mahāvīra svāmī**, the greatest among **jineśvara**s carries the men or women across the ocean of life. .....3.

I obeisance to that religious emperor **śrī nemināṭha** whose **kalyāṇaka**s of **dīkṣā,**

परमट्ठ-निट्ठि-अट्ठा उ परम ध्येय झ्मोक्षट को प्राप्त किये हुए

परम उ परम, **अट्ठ उ** ध्येय को, **निट्ठिअट्ठा उ** प्राप्त किये हुए

सिद्धा सिद्धिं मम दिसंतु उ सिद्ध भगवंत मुझे सिद्धि झ्मोक्षट प्रदान करें

सिद्धा उ सिद्ध भगवंत, सिद्धिं उ सिद्धि, **मम उ** मुझे, **दिसंतु उ** प्रदान करें

गाथार्थ :–

सिद्ध गति को प्राप्त किये हुए, सर्वज्ञ, झ्संसार समुद्र कोट पार किये हुए, परंपरा से झ्सिद्धि मेंट गये हुए और लोक के अग्र भाग पर गये हुए सर्व **सिद्ध भगवंतों** को सदा नमस्कार हो. .....१.

जो देवों के भी देव हैं, जिनको देव अंजली पूर्वक नमस्कार करते हैं और जो **इंद्रों** से पूजित हैं, उन **श्री महावीर स्वामी** को मैं मस्तक नमाकर वंदन करता हूँ. .....२.

जिनेश्वरों में उत्तम **श्री महावीर स्वामी** को किया हुआ एक ही नमस्कार नर या नारी को संसार समुद्र से तारता है.....३.

जिनकी **दीक्षा, केवल ज्ञान** और **निर्वाण कल्याणक गिरनार** पर्वत के

kevala jñāna and **nirvāṇa** took place on the summit of **giranāra** mountain. . 4.

All the twenty four **jineśvara**s obeisanced in the sequence of four, eight, ten and two and the **siddha bhagavanta**s having obtained salvation shall grant me the boon of salvation. .....5.

Specific meaning :–

dīkṣā = To attribute sacraments.

pravrajyā = To keep away from the routines of life as a house holder.

loka kā agra bhāga [highest palace in the universe] = An abode for staying of liberated souls [souls having attained the salvation].

sarva siddha bhagavanta = souls liberated in fifteen ways :–

1. To be liberated after establishment of **tīrtha** by a **tīrthaṅkara**.
2. To be liberated before establishment of **tīrtha** by a **tīrthaṅkara**.
3. To be liberated after becoming a **tīrthaṅkara**.
4. To be liberated without becoming a **tīrthaṅkara**.
5. To be liberated by acquiring knowledge by himself.
6. To be liberated by acquiring knowledge from preceptors etc.

शिखर पर हुए हैं, उन धर्म चक्रवर्ती **श्री नेमिनाथ** को मैं नमस्कार करता हूँ.....४.
चार, आठ, दस और दो के क्रम से वंदित चौबीसों **जिनेश्वर** और मोक्ष को प्राप्त किये हुए **सिद्ध भगवंत** मुझे मोक्ष प्रदान करें.....५.

विशेषार्थ :-

दीक्षा उ संस्कारों का आरोपण करना.
प्रव्रज्या उ गृहस्थ आश्रम की क्रियाओं से दूर रहना.
लोक का अग्रभाग उ झसिद्धट मुक्त आत्माओं के लिये रहने का स्थान.

सर्व सिद्ध भगवंत उ पंद्रह प्रकार से सिद्ध होने वाली आत्माएँ :-

१. **तीर्थंकर** द्वारा **तीर्थ** स्थापना के बाद सिद्ध होना.
२. **तीर्थंकर** द्वारा **तीर्थ** स्थापना के पूर्व सिद्ध होना.
३. **तीर्थंकर** बनकर सिद्ध होना.
४. **तीर्थंकर** बने बिना सिद्ध होना.
५. अपने आप बोध पाकर सिद्ध होना.
६. गुरु आदि से बोध पाकर सिद्ध होना.

7. To be liberated by acquiring knowledge through any type of event.
8. To be liberated through female body.
9. To be liberated through male body.
10. To be liberated through eunuch body.
11. To be liberated in the custom of a **sādhu** of **jaina** religion.
12. To be liberated in the custom of a **sādhu** of religion other than **jaina**.
13. To be liberated in the custom of a house holder.
14. To be liberated alone [one] at a time.
15. To be liberated along with many others at a time.

Introduction of the sūtra :-

By this **sūtra**, the glorification of all the **siddha bhagavanta**s [enlightened lords] and **tīrthaṅkara**s has been done.

सूत्र

७. किसी भी तरह के निमित्त से बोध पाकर सिद्ध होना.
८. स्त्री लिंग झ्शरीरट में सिद्ध होना.
९. पुरुष लिंग में सिद्ध होना.
१०. नपुंसक लिंग में सिद्ध होना.
११. **जैन** धर्म के **साधु** वेश में सिद्ध होना.
१२. **जैन** सिवाय अन्य धर्म के **साधु** वेश में सिद्ध होना.
१३. गृहस्थ वेश में सिद्ध होना.
१४. एक समय में अकेला झ्एकट ही सिद्ध होना.
१५. एक समय में अनेक के साथ सिद्ध होना.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** से सर्व **सिद्ध भगवंत** और **तीर्थंकरों** की स्तुति की गयी है.

24. veyāvacca-garāṇam sūtra

veyāvacca-garāṇam, santi-garāṇam, sammaddiṭṭhi-samāhi-garāṇam karemi kāussaggam..... .1.
annattha... [sūtra-7.]..... .2.

Literal meaning :-

veyāvacca-garāṇam = for the sake of those engaged in service
veyāvacca = service, **garāṇam** = those engaged in
santi-garāṇam = for the sake of the pacifiers [removers of obstacles]

santi = the pacifiers, **garāṇam** = for the sake of
samma-ddiṭṭhi-samāhi-garāṇam = for the sake of those who helps the right faith holders in attaining concentration
samma = the right, **ddiṭṭhi** = faith holders, **samāhi** = concentration
karemi kāussaggam = i perform the **kāyotsarga**
karemi = i perform, **kāussaggam** = the **kāyotsarga**

सूत्र

२४. वेयावच्च-गराणं सूत्र

वेयावच्च-गराणं, संति-गराणं, सम्मद्दिट्ठि-समाहि-गराणं करेमि काउस्सग्गं. ..... .१.

अन्नत्थ... इ्सूत्र-७.ट. ..... .२.

शब्दार्थ :-

वेयावच्च-गराणं उ वैयावृत्त्य इ्सेवा शुश्रुषाट करने वालों के निमित्त से

वेयावच्च उ वैयावृत्त्य, **गराणं उ** करने वालों के निमित्त से

संति-गराणं उ शांति इ्उपद्रवादि का निवारणट करने वालों के निमित्त से

संति उ शांति

सम्म-द्दिट्ठि-समाहि-गराणं उ सम्यग् दृष्टियों को समाधि उत्पन्न करने वालों के निमित्त से

सम्म उ सम्यग्, **द्दिट्ठि उ** दृष्टियों को, **समाहि उ** समाधि

करेमि काउस्सग्गं उ मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ

Stanzaic meaning :-

I perform the **kāyotsarga** for the sake of those [presiding deities] engaged in service, for the sake of the pacifiers and for the sake of those who helps the right faith holders in attaining concentration. .....1.

Specific meaning :-

samādhi utpanna karānā = To help in attaining concentration / to pacify the mind making available the necessities of life and the means of religious performances.

Introduction of the sūtra :-

For the peace of the society, a commemoration of the gods with right vision has been done by this **sūtra**.

करेमि उ मैं करता हूँ, **काउस्सग्गं उ कायोत्सर्ग**

गाथार्थ :-

वैयावृत्त्य करने वालों के निमित्त से, शांति करने वालों के निमत्त से और सम्यग् दृष्टियों को समाधि उत्पन्न कराने वाले इ्रदेवताओंट के निमित्त से मैं **कायोत्सर्ग** करता हूँ. .....१.

विशेषार्थ :-

समाधि उत्पन्न कराना उ समाधि प्राप्त करने में सहाय करना / जीवन की आवश्यकताओं एवं धर्माराधना के साधनों को उपलब्ध कर मन को शांत करना.

सूत्र परिचय :-

इस **सूत्र** से श्री संघ की शांति के लिए सम्यग्-दृष्टि वाले देवों का स्मरण किया गया है.

११. जग-चिन्तामणि चैत्य-वन्दन ७३
11. jaga-cintāmaṇi caitya-vandana 73
१२. जं किंचि सूत्र ८५
12. jam kiñci sūtra 85
१३. नमुत्थु णं सूत्र ८७
13. namutthu ṇam sūtra 87
१४. जावंति-चेइआइं सूत्र ९७
14. jāvanti-ceiāim sūtra 97
१५. जावंत के वि सूत्र ९९
15. jāvanta ke vi sūtra 99
१६. नमोर्हत् सूत्र १०१
16. namorhat sūtra 101
१७. उवसग्ग-हरं स्तोत्र १०२
17. uvasagga-haram stotra 102
१८. जय वीयराय! सूत्र १०९
18. jaya vīyarāya! sūtra 109
१९. अरिहंत-चेइयाणं सूत्र ११६
19. arihanta-ceiyāṇam sūtra 116

२०. कल्लाण-कंदं स्तुति १२०
20. kallāṇa-kandam stuti 120
२१. संसार-दावा-नल स्तुति १२७
21. sansāra-dāvā-nala stuti 127
२२. पुक्खर-वर-दीवड्ढे सूत्र १३६
22. pukkhara-vara-dīvaḍḍhe sūtra 136
२३. सिद्धाणं बुद्धाणं सूत्र १४५
23. siddhāṇam buddhāṇam sūtra 145
२४. वेयावच्च-गराणं सूत्र १५२
24. veyāvacca-garāṇam sūtra 152